रांची, सोमवार
28.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 296, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन आज लॉन्च करेंगे पशुधन बीमा पोर्टल

नई दिल्ली। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह सोमवार, 28 सितंबर को पशुपालन और डेयरी विभाग के 'लाइवस्टॉक इंश्योरेंस पोर्टल' (पशुधन बीमा पोर्टल) का नई दिल्ली में शुभारंभ करेंगे। यह पशु बीमा पोर्टल देश में पशु बीमा सेवाओं के डिजिटल बदलाव की दिशा में एक अहम कदम होगा। विभाग ने अपने बयान में बताया कि यह पोर्टल पशुपालन और डेयरी विभाग की पशु बीमा योजना के तहत बीमित पशुओं के लिए बीमा से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं-जैसे पॉलिसी जारी करना, क्लेम प्रोसेस करना, मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग को आसान बनाने के लिए एक ही इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। इसे ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और इस्तेमाल में आसान बनाने के लिए यह पोर्टल हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 11 क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा, जिससे पशुपालक अपनी जानी-पहचानी भाषाओं में जानकारी और सेवाएं पा सकेंगे।

रबी अभियान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन आज से नई दिल्ली में

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कृषि एवं किसान कल्याण विभाग रबी अभियान 2026 के लिए 28 सितंबर से दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन सी. सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी परिसर, पूसा, नई दिल्ली में किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्घाटन केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इसमें राज्यों के कृषि मंत्री, केन्द्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) तथा अन्य हितधारक उपस्थित होकर आगामी रबी मौसम की प्रमुख प्राथमिकताओं और तैयारियों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में केन्द्र-राज्य तालमेल को मजबूत करने तथा कृषि उत्पादन, उत्पादकता, स्थिरता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक समन्वित एवं परिणाम उन्मुख रणनीति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विचार-विमर्श में हाल ही में आयोजित कृषि पर क्षेत्रीय सम्मेलनों से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों और परिणामों को भी आधार बनाया जाएगा।

मन की बात में पीएम मोदी ने बताई जीरो टॉलरेंस की नीति, कहा

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत अब पूरी दृढता से 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर चल रहा है और यदि आतंकवादी भारत की ओर आंख उठाएंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा।

श्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेड़ियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि बालाकोट की एयर स्ट्राइक से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' तक भारत ने बार-बार आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति स्पष्ट की है। साथ ही उन्होंने देशवासियों से जनगणना में भाग लेने को राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए अपनी और अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज कराने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसके अलावा विश्व हिन्दू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंहल की जन्मशती, सोमनाथ और मोढेरा मंदिरों की विरासत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं की खोज, स्थानीय उत्पादों, कुपोषण और गणेश उत्सव से जुड़े विषयों का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 28-29 सितंबर, 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। नियंत्रण रेखा के उस पार जाकर भारतीय जवानों की कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। तेरह सितंबर, 2008 को दिल्ली में हुए सिलसिलेवार विस्फोट और उसके कुछ सप्ताह बाद मुंबई में हुए 26/11 हमले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग होती थी, लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। उन्होंने कहा कि आज भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति लेकर चल रहा है और इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

जनगणना के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसका पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है।

लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के दुर्गम और बर्फीले इलाकों में भी यह काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि दो करोड़ 60 लाख से अधिक लोग मोबाइल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनगणना के लिए लोग मोबाइल फोन से अपनी और परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। यह सुविधा हिन्दी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी देश के भविष्य की सही तस्वीर तैयार करने में मदद करती है। श्री मोदी ने आज दिवंगत अशोक सिंहल की 100वीं जन्मजयंती का उल्लेख करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सिंहल ने समाज और संस्कृति के लिए जीवन समर्पित किया तथा रामजन्मभूमि आंदोलन को दिशा और ऊर्जा दी। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और विषमता के खिलाफ उनके प्रयासों का भी उल्लेख किया।

सोमनाथ और मोढेरा सूर्य मंदिर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1026 में मोढेरा मंदिर पर हमला हुआ था और राजा भीमदेव प्रथम ने कुछ ही समय में उसका पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि मोढेरा आज देश का पहला सूर्य गांव बन चुका है और पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलता है। स्वच्छता के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में नदी की सफाई, आंध्र प्रदेश में बावड़ियों और कुओं की सफाई, मुंबई में समुद्र तटों की सफाई और दिल्ली में कचरा अलग रखने के लिए चल रहे जागरूकता प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बापू के प्रति अच्छी श्रद्धांजलि स्वच्छता है। पर्यावरण संरक्षण के बारे में उन्होंने असम में हाथियों के फिर लौटने और संकटग्रस्त छोटे जीव को बचाने के प्रयास का उल्लेख किया।

निकाय और यूनियनों के बीच बातचीत के बाद लिया गया फैसला

तीन दिन की बैंक हड़ताल स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकों की तीन दिनों की प्रस्तावित हड़ताल टल गई है। भारतीय बैंक संघ (आइबीए) और यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच बैठक के बाद सोमवार से प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल स्थगित करने पर सहमति बनी।

बैंकों में सोमवार को अब सामान्य तरीके से कामकाज होगा। हड़ताल का आह्वान यूएफबीयू ने किया था। हफ्ते में पांच दिन काम करने या पांच दिवसीय सप्ताह समेत अपनी मांगों पर आइबीए के आश्वासन के बाद रविवार देर रात बैंक यूनियनों ने हड़ताल टालने की घोषणा की।

बैंक यूनियन की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार, रविवार रात 9:30 बजे आईबीए और यूएफबीयू की बैठक हुई। बैठक में हुई बातचीत के बाद दोनों पक्ष इन बातों पर सहमत हुए।

सभी शनिवार को बैंक की छुट्टी करने के मुद्दे पर विचार करने के लिए आईबीए और यूएफबीयू की एक संयुक्त समिति तुरंत बनाई जाएगी। यह समिति हर विकल्प पर विचार करेगी, प्रभावित सभी लोगों से बात करेगी और ऐसा समाधान खोजने की कोशिश करेगी जो सभी पक्षों, खासकर ग्राहकों के लिए सही हो।

स्केल 4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए पीएलआई स्कीम में बदलाव को लेकर आईबीए के साथ बातचीत शुरू की जाएगी, ताकि उनकी चिंताओं को सरकार के सामने रखा जा सके।

8 मार्च, 2024 की बैठक के मिनट्स में बताए गए अन्य लंबित मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी ताकि उन्हें जल्द सुलझाया जा सके। इन समझौतों के कारण, यूएफबीयू ने कहा है कि वह फिलहाल अपने प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और हड़ताल को वापस ले लेगा।

बता दें कि सोमवार से बुधवार तक बैंक यूनियनों ने राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की घोषणा की थी। हड़ताल के चलते सभी सरकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बंद रहते। इस दौरान चेक क्लियरेंस, कैश निकालने और जमा करने समेत बैंकिंग सेवाएं बाधित रह सकती थीं। डिजिटल बैंकिंग और अन्य ऑनलाइन सेवाएं भी बंद रहने की संभावनाएं थीं।

बैंक की हड़ताल के चलते इस हफ्ते लाखों बैंक ग्राहकों को लगातार तीन दिनों तक बैंकिंग सेवाओं में भारी रुकावट का सामना करना पड़ता।

हालांकि, अब हड़ताल टलने से देश भर की बैंक शाखाएं सामान्य रूप से खुलेंगी और चेक क्लीयरेंस और कैश ट्रांजेक्शन जैसी तमाम सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहेंगी, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिली है।

गौरतलब है कि फिलहाल सभी सरकारी बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर की खुदकुशी

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के धुर्वा स्थित तिरिल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में रविवार को एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक जवान की पहचान पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना क्षेत्र स्थित इमलियाटीकर गांव निवासी भुनेश्वर पाल (पिता- रामलखन पाल) के रूप में हुई है।

बताया गया कि भुनेश्वर पाल तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपनी आवंटित एके-47 राइफल से गोली चला दी। गोली गर्दन में लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

गोली चलने की आवाज सुनकर सीआरपीएफ परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय विधानसभा थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए गए हैं।

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट समेत अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

जवान के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान और जांच के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह ने जवान की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जवान की गोली लगने से मौत हुई है। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

विराट-गिल के शतकों से भारत की शानदार जीत, वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारत के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने अच्छी शुरूआत दी। रोहित ने 35 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के और दो चौके शामिल थे। उनके आउट होने के बाद विराट कोहली ने गिल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 151 रन की शानदार साझेदारी की।

गिल ने 108 गेंदों पर 110 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें रॉस्टन चेस ने आउट किया। इसके बाद कोहली ने मोर्चा संभाले रखा और भारत को लक्ष्य तक पहुंचाकर ही नाबाद लौटे।

कोहली की पारी में कई रिकॉर्ड

विराट कोहली ने 88 गेंदों पर नाबाद 139 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और नौ छक्के शामिल रहे। उन्होंने अपना अर्धशतक और शतक छक्के के साथ पूरा किया और टीम को भी छक्का लगाकर जीत दिलाई।

मतदाताओं को ईआरओ दफ्तर आने की जरूरत नहीं, बीएलओ घर जाकर लेंगे दस्तावेज: के रवि

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदाताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अनुसार, असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर नोटिस की सुनवाई के लिए मतदाताओं को ईआरओ या एईआरओ कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान रक्फ़ प्रक्रिया के दौरान जिन मतदाताओं को 'अनमैप्ड' अथवा 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' को लेकर नोटिस जारी किया गया है, उनके घर पर बीएलओ स्वयं पहुंचेंगे। बीएलओ घर जाकर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करेंगे और उन्हें सीधे ईसीआईनेट पोर्टल पर अपलोड करेंगे, ताकि ईआरओ नियमानुसार फैसला ले सकें। तकनीकी रूप से कमजोर बीएलओ की सहायता के लिए सुपरवाइजर, वॉलेंटियर एवं जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को दिया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि नोटिस प्राप्त मतदाताओं को सामान्यतः व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कार्यालय बुलाने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी मामले में सुनवाई नितांत आवश्यक हुई, तो वह भी संबंधित ईआरओ के निर्णयानुसार ऑनलाइन माध्यम से ही आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, आवश्यकता पड़ने पर मतदाता अपने परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से सुनवाई में शामिल होने के लिए अधिकृत कर सकेंगे।

हालांकि, उन्होंने यह भी ताकीद की कि जिन मतदाताओं को पूर्व में निर्धारित स्थल पर आने की सूचना मिल चुकी है और वे स्वयं पहुंचते हैं, तो वहां संबंधित अधिकारी अनिवार्य रूप से मौजूद रहें; किसी भी मतदाता को खाली हाथ न लौटना पड़े।

के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रात्रि आश्रय स्थलों, दिहाड़ी मजदूरों, गरीबों और बेघरों के लिए पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क व विशेष शिविर लगाएं। साथ ही फॉर्म 6, 6ए, 7 और 8 के आवेदनों का डिजिटाइजेशन कैंप मोड में तेजी से पूरा किया जाए।

गुजरात के साबरमती से देश को मिली पहली एलएनजी ट्रेन की सौगात, अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती से देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल-फ्यूल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात में 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया।

रेलवे ने कहा कि साबरमती से भारतीय रेल में आज से हरित ऊर्जा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वैकल्पिक ईंधन और आधुनिक रेल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस ट्रेन में एलएनजी(द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) और डीजल दोनों ईंधनों का उपयोग किया जा सकता है। साबरमती इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो में 1,400 हॉर्सपावर क्षमता वाली दो ड्राइविंग पावर कारों को डुअल-फ्यूल प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। रेलवे के अनुसार यह प्रणाली लगभग 40 प्रतिशत तक डीजल की जगह एलएनजी का उपयोग कर सकती है। इस सेवा को शुरू करने से पहले इसका 2,000 किलोमीटर से अधिक का फील्ड ट्रायल भी किया गया।

कार्यक्रम में अमित शाह ने रेलवे में डीजल की खपत में कमी और विद्युतीकरण की गति का उल्लेख किया। उनके अनुसार, रेलवे में डीजल की वार्षिक खपत 2015-16 में 293 करोड़ लीटर से घटकर 2024-25 में 108 करोड़ लीटर रह गई है। उन्होंने 2030 तक डीजल के उपयोग को समाप्त करने के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। रेलवे के विद्युतीकरण की गति में भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

शाह ने गुजरात में रेलवे के लिए किए जा रहे निवेश और आधुनिक बुनियादी ढांचे का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में रेलवे नेटवर्क को औद्योगिक विकास और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि एलएनजी आधारित ट्रेन की शुरूआत स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दे रही है। साबरमती से शुरू हुई एलएनजी डीजल डुअल-फ्यूल ट्रेन को भारतीय रेलवे में वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल की दिशा में एक नई पहल के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही कवच, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग, डब्ल्यूएजी-12 मेंटेनेंस शेड और रेल लाइन दोहरीकरण जैसी परियोजनाओं से गुजरात के रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति देने का प्रयास किया गया है।

1,542 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। उन्होंने साबरमती में नवनिर्मित डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड राष्ट्र को समर्पित किया। लगभग 700 करोड़ की लागत से निर्मित यह शेड उच्च क्षमता वाले डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रख रखाव के लिए विकसित किया गया है। डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव लगभग 12,000 हॉर्सपावर क्षमता वाला है और भारी मालगाड़ियों के संचालन में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा साबरमती-कलोल-भांडू मोटीडाऊ तथा साबरमती-साणंद-जखवाड़ा रेलखंडों पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली का लोकार्पण किया गया। इससे इन रेलखंडों पर ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारु संचालन तथा लाइन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

404 किलोमीटर रेल नेटवर्क पर कवच

अहमदाबाद-पलनपुर और अहमदाबाद-सामाख्याली रेलखंडों के कुल 404 किलोमीटर नेटवर्क पर स्वदेशी कवच सुरक्षा प्रणाली के कार्य का शिलान्यास भी किया गया। यह प्रणाली ट्रेन संचालन की सुरक्षा बढ़ाने, ओवरस्पीडिंग और टक्कर जैसे जोखिमों को कम करने के लिए विकसित की गई है। साबरमती-सरखेज के बीच 21 किलोमीटर रेल लाइन के दोहरीकरण का भी शिलान्यास किया गया। लगभग 313 .27 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना मार्च 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे साबरमती-सरखेज क्षेत्र में रेल संचालन क्षमता बढ़ाने के साथ सरखेज-धोलेरा क्षेत्र की कनेक्टिविटी को भी गति मिलने की उम्मीद है।

चार दिन की बारिश के बाद रांची में मौसम साफ, 28 सितंबर से हल्की बारिश के आसार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न हिस्सों में पिछले चार दिनों से जारी बारिश के बाद रविवार को मौसम साफ हुआ। सुबह धूप निकलने से लोगों को बारिश से राहत मिली। हालांकि, मौसम विभाग ने 28 सितंबर से राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान किसी जिले के लिए अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, एक जून से 27 सितंबर तक रांची जिले में 1,211.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि रांची शहर में इस अवधि में 1,428.5 मिलीमीटर बारिश हुई। पूरे राज्य में इस अवधि के दौरान सामान्य 1,007.8 मिलीमीटर के मुकाबले 1,001.2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। यह सामान्य वर्षापात से करीब एक प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक 45 मिलीमीटर बारिश धनबाद जिले के पुटकी में दर्ज की गई। इस दौरान सरायकेला में राज्य का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि लातेहार में न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रविवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 29.6 और न्यूनतम 23.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 30.8 और न्यूनतम 22.6 डिग्री तथा बोकारो में अधिकतम 29.1 और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पीवीयूएनएल और एलिम्को के बीच समझौता, बांटे जाएंगे सहायक उपकरण

बिभा संवाददाता

पतरातू: पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने दिव्यांगजनों के कल्याण, सशक्तिकरण और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत पीवीयूएनएल ने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस अवसर पर पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिप्रा रानी तथा मानव संसाधन विभाग के प्रमुख जियाउर रहमान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समझौते के अनुसार, पीवीयूएनएल द्वारा पतरातू एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में जरूरतमंद दिव्यांगजनों की पहचान के लिए जल्द ही एक विशेष आकलन शिविर (असेसमेंट कैंप) लगाया जाएगा। इस शिविर में पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण कर उनकी शारीरिक आवश्यकताओं और चिकित्सकीय स्थिति की जांच की जाएगी। जांच के आधार पर लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार आधुनिक कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे दैनिक जीवन में आत्मनिर्भर बन सकें।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहल पीवीयूएनएल के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत क्षेत्र के समग्र विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी गतिशीलता को बढ़ाना तथा उन्हें एक गरिमापूर्ण एवं स्वावलंबी जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ मुरी की बड़ी सफलता, 5.25 लाख के गहने और नकद लौटाए

बिभा संवाददाता

मुरी: ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ मुरी ने ईमानदारी और तत्परता की मिसाल पेश की है। ट्रेन में छूटे लगभग 5.25 लाख रुपये मूल्य के स्वर्ण-आभूषण और नकद राशि को बरामद कर महिला यात्री को सुरक्षित लौटाया गया।

जानकारी के अनुसार शोभा देवी (50), पति सपन कुमार दत्ता, थाना सिल्ली, जिला रांची, अपने परिवार के साथ ट्रेन संख्या 18427 पुरी-आनंद विहार एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थीं। मुरी स्टेशन पर उतरने के दौरान उनका एक बैग ट्रेन में ही छूट गया। बैग में सोने-चांदी के आभूषण और नकद रखे थे। सूचना मिलते ही पोस्ट कमांडर संजीव कुमार ने एसआई रवि शंकर, एसआई अश्विनी कुमार, एसआई एस.के. सिंह, कांस्टेबल अनूप कुमार, धर्मेंद्र कुमार तथा जीआरपी के एसआई कलीमुल्लाह खान और एएसआई एस. सिंह को कार्रवाई का निर्देश दिया। आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त टीम ने त्वरित समन्वय से बैग को ट्रेस कर बरामद किया। बैग में 2 सोने की चेन, 1 हार, 1 जोड़ी बाली, 3 अंगूठियां, 1 अन्य स्वर्ण आभूषण, 1 चांदी की वस्तु, 23,200 रुपये नकद और अन्य सामान थे। सत्यापन के बाद पूरा सामान शोभा देवी को सौंपा गया। यात्री ने आरपीएफ और जीआरपी को धन्यवाद दिया।

षष्ठ्यांगिरा में फुटबॉल का महासंग्राम, 48 टीमों ने लिया हिस्सा; खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने पहुंचे विधायक संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। पंचायत केरवाडुंगरी के चांगिरा गांव में सीएमसी चांगिरा की ओर से एक दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 48 टीमों ने हिस्सा लिया, जिससे टूनामेंट को भव्य रूप दिया गया। प्रतियोगिता में आसपास के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेलप्रेमी पहुंचे। कार्यक्रम में पोटका विधायक संजीव सरदार मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और सभी टीमों के खिलाड़ियों एवं आयोजन समिति को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देते हैं और खेल के प्रति उनका उत्साह बढ़ाते हैं।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि झारखंड सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सिदो-कान्हू युवा खेल क्लब योजना के माध्यम से लगातार काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि गांवों में ही खिलाड़ियों को खेल का बेहतर माहौल और अवसर मिले, ताकि प्रतिभाशाली युवा आगे बढ़कर प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में आयोजित होने वाले ऐसे फुटबॉल टूनामेंट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ गांवों में खेल संस्कृति को भी मजबूत करते हैं आयोजन के दौरान धनपति सिंह और अजय कुमार समेत आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नारायण प्राइवेट आईटीआई में राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि मनाई गयी

चांडिल/लुपुंगडीह(बिभा): नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह, चांडिल में भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत एवं आधुनिक भारत के जनक राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत राजा राममोहन राय के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने राजा राममोहन राय के जीवन, विचारों एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजा राममोहन राय ने ऐसे समय में समाज सुधार की अलख जगाई, जब भारतीय समाज अनेक सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़िवादी परंपराओं से जूझ रहा था। डॉ. पांडे ने कहा कि राजा राममोहन राय ने सती प्रथा जैसी कुप्रथा के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष किया तथा महिलाओं के सम्मान, अधिकार एवं शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। उन्होंने कहा कि राजा राममोहन राय केवल एक समाज सुधारक ही नहीं, बल्की आधुनिक भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान व्यक्तित्व थे। उनके विचार आज भी समाज को शिक्षा, समानता, महिला सम्मान, सामाजिक न्याय और कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता का संदेश देते हैं। वर्तमान पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राजा राममोहन राय के प्रति श्रद्धांजलि एवं उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए किया गया। मुख्य रूप से मौजूद रहे प्राचार्य जयदीप पांडे,शांति राम महतो,पवन महतो, देवाशीष मंडल,प्रकाश महतो,भगत लाल तेली,अजय मंडल ,गौरव महतो ,आदि कार्यकम में उपस्थित रहे ।

शहीद भगत सिंह जयंती पर सिल्ली में रक्तदान शिविर आज

सिल्ली(बिभा): शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर सदर अस्पताल रांची तथा सिंगपुर नर्सिंग होम के संयुक्त तत्वावधान में शहीद भगत सिंह स्मारक मंच सिल्ली-मुरी के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 28 सितंबर दिन सोमवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में लगाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र, हेलमेट और टी-शर्ट देकर सम्मानित किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने क्षेत्र के युवाओं और आम लोगों से इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और आपका एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है।

झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा ने राहे में शहीद भगतसिंह की जयंती मनायी

सिल्ली(बिभा) : झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा ने राहे में शहीद भगत सिंह की जयंती सह किसान संकल्प दिवस को संबोधित करते हुए किसान नेता सुफल महतो ने शहीद भगत सिंह की जीवनी पर विस्तृत रूप में चर्चा करते हुए कहा अंग्रेजी हुकूमत की तरह आज भी लोकतंत्र व संविधान को ताक पर रख कर भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट और वोटरों की रक्षा के बजाए एस,आई,आर के बहाने देश के 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों का नाम चुनाव पूर्व काट कर सिर्फ और सिर्फ भाजपा को जिताने का नंगा नाच देश के सामने उजागर हो गया है, आज भगत सिंह के रास्ते भारतीय लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जरूरी हो गया है, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग सबसे जरूरी हो गया है। भगत सिंह के रास्ते ही शोषण,लूट, घोटाला,भ्रष्टाचार को मिटाया जा सकता है। इस अवसर पर किसान नेता बिनोद साव, जनमंजय तेरी,दयाल महतो,सची कुमारी,मंजू देवी,भादो लोहरा,आकला अहिर,लक्ष्मण महतो, लखविन्द्र हजाम, बिरसा हरिजन,सहरोई महतो प्रमोद कुमार, संतोष कुमार, गणेश प्रजापति आदि उपस्थित थे।

कुश भवन के रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त संग्रह, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और सुधा गुप्ता ने किया पेन्टाहाउस का उद्घाटन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । कुशवाहा संघ जमशेदपुर द्वारा साकची स्थित कुश-भवन मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें काफी लोगों ने समाज के हित के लिए रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र के साथ उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत तक कुल 105 यूनिट रक्त संग्रह किया गया जिसे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एवं ब्रह्मानन्द अस्पताल का अपेक्षित सहयोग रहा। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत कुश भवन के ऊपरी तल पर नवनिर्मित पेन्टा हाउस का उद्घाटन झारखंड सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और मानगो नगर निगम की मेयर श्रीमती सुधा गुप्ता के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। इसी कार्यक्रम में मेधावी एवं प्रतिभाशाली छात्रा प्रकृति कुमारी को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर सुधा गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं को बधाई दिया और प्रमाण पत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया और हमेशा सहयोग करने की बात कही। वहीं अपने सम्बोधन मे पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि मैं कोई जन्मजात नेता नहीं हूँ बल्कि आपलोगों के आशीर्वाद से नेता बना गया हूँ। उन्होंने हिन्दी और अंग्रेजी के कवियों एवं अपनी कविता से जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने दिनकर के रश्मीरथी की ह्र ह्यदो न्याय अगर तो आधा दोह्न - का सस्वर पाठ किया जिसे सुनकर तालियों के गड़गड़ाहट से हॉल गूंज गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता संजय कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संघ के अध्यक्ष शिव कुमार भक्त ने किया। इस समारोह में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, मेयर सुधा गुप्ता, सांसद विद्युत वरण महतो के प्रतिनिधि के रूप मे संजीव कुमार, संघ के संरक्षक गण में वैद्यनाथ प्रसाद, श्याम किशोर सिन्हा, नागीना सिंह, महेश प्रसाद, गोपाल प्रसाद, अध्यक्ष शिव कुमार भक्त, सचिव रामकुमार सिंह, अतुल आनंद, नवल किशोर प्रसाद, सुशील कुमार, रामानंद भक्त, जवाहर लाल सिंह, अधिवक्ता संजय कुमार(नोटरी), आशा वर्मा, टी एन वर्मा, अनूप कुमार सिंह, कांता देवी, ममता देवी, मधुबाला, डॉ. आरूँ कुमार, डॉ. उपेन्द्र प्रसाद, अरविन्द कुमार सिंह, रामकुमार, गनौरी प्रसाद , मोहन मुरारी महतो आदि के साथ काफी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

सरयू राय से मिले बिहार के मंत्री श्रवण कुमार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने रविवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय से उनके बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में सौजन्य भेंट की। दोनों नेताओं के बीच करीब 30 मिनट तक अनौपचारिक चर्चा हुई। संध्या 6 बजे के करीब श्रवण कुमार बिष्टुपुर आए। सरयू राय ने उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं के बीच पुराने दिनों, बिहार और झारखंड की राजनीति पर अनौपचारिक चर्चा हुई।

लगातार बारिश से करांजी में गरीब परिवारों के मकान ध्वस्त

मकान गिरने से परिवारों के सामने रहने का संकट, आपदा राहत के तहत मुआवजे की मांग

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश ने गरीब परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण करांजी गांव में दो गरीब परिवारों के मकान ध्वस्त हो गए। मकान गिरने से दोनों परिवारों के सामने रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। हालांकि, मकान गिरने के दौरान परिवार के सदस्य बाहर होने के कारण किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

करांजी गांव निवासी रुस्तम अंसारी, पिता स्व. मुस्लिम अंसारी का कच्चा मकान लगातार बारिश के बीच गिर गया। रुस्तम अंसारी दैनिक मजदूरी करने के साथ राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मकान गिरने के बाद उसे दोबारा बनाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

वहीं, शनिवार की अहले सुबह करांजी निवासी सफीक अंसारी के परिवार का मकान भी तेज बारिश के बीच अचानक भरभराकर ध्वस्त हो गया। बताया गया कि मकान गिरने के समय परिवार के सभी सदस्य बाहर थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है।

घटना की जानकारी देते हुए गांव के सदर शोएब अंसारी ने बताया कि रुस्तम अंसारी बेहद गरीब और मेहनतकश व्यक्ति हैं। उन्होंने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मकानों का स्थल निरीक्षण कराकर आपदा राहत के तहत उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने कहा कि लगातार बारिश से कच्चे और कमजोर मकानों में रहने वाले गरीब परिवारों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने प्रशासन से बारिश से प्रभावित परिवारों का सर्वे कराने तथा जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत सामग्री एवं सरकारी प्रावधान के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

भारत माला सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण के मुआवजे का ग्रामीणों ने किया विरोध

बिभा संवाददाता

बेड़ो: में प्रखंड अंतर्गत करांजी गांव के जराटोली रहमत नगर से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं रैयत रविवार को गन्ता पतरा मैदान के समीप एकत्र हुए। ग्रामीणों ने तुको से लोहरदगा रोड कटकर तुको, दिघिया, करांजी मौजा होते हुए बारिडीह और फिर खूंटी तक प्रस्तावित भारतमाला सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में जारी नोटिस में दर्शाए गए मुआवजे का विरोध किया।

ग्रामीणों के अनुसार, अंचल कार्यालय बेड़ो की ओर से करीब दो माह पूर्व तुको, दिघिया, करांजी, बारिडीह सहित अन्य मौजा के प्रभावित रैयतों को नोटिस दिया गया है। नोटिस में खाता संख्या, प्लॉट संख्या, रैयत का नाम, जमीन का रकबा और मुआवजा राशि का उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि नोटिस में कृषि भूमि के लिए लगभग 34 हजार रुपये की दर से मुआवजा दशार्या गया है, जिसे वे अपर्याप्त मान रहे हैं।

विरोध प्रदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के रांची जिला ग्रामीण महासचिव हाजी परवेज आलम शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों की मांग को जायज बताते हुए उनके साथ प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए कहा, ह्लबगैर किसानों की सहमति के भूमि का अधिग्रहण नहीं होगा ह्व वहीं, ह्लग्राम सभा से अनुमति लेना होगाह्व के नारे भी लगाए गए।

इस दौरान रैयत रुस्तम अंसारी, मनीर अंसारी, इदरिश अंसारी और अनिल कुजूर सहित अन्य ग्रामीणों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

हाजी परवेज आलम ने कहा कि ग्रामीण विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसानों की सहमति के बिना उनकी जमीन पर मार्किंग करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले ग्राम सभा आयोजित कर रैयतों से प्रस्तावित सड़क निर्माण के संबंध में बातचीत की जानी चाहिए। उनके अनुसार, जमीन का उचित मुआवजा तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उचित मुआवजा दिए बिना भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई तो ग्रामीण इसके खिलाफ आंदोलन जारी रखेंगे और मामले को आगे तक ले जाएंगे।

प्रदर्शन में मनीर अंसारी, रुस्तम अंसारी, अफरोज अंसारी, तौफीक अंसारी, ऐनुल अंसारी, जैनुल अंसारी, नसीम अंसारी, इदरिश अंसारी, अब्दुल राजिक अंसारी, अनिल कुजूर, शमिना खातून, रजिना खातून, नुरेशा खातून, अनवर अंसारी, सरफराज अंसारी और समद अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं रैयत उपस्थित थे।

सट्टेबाजी और ड्रग्स के खिलाफ 2 अक्टूबर को 'विचार क्रांति सम्मेलन'

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय की पहल पर युवा जदयू द्वारा आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले ह्यसट्टेबाजी एवं ड्रग्स के दुष्प्रभाव पर विचार क्रांति सम्मेलनह्न को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। सम्मेलन को लेकर रविवार को कदमा, बमामाईंस (ईस्ट प्लांट बस्ती), मानगो, बारीडीह और साकची में अलग-अलग बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा उपस्थित लोगों से आयोजन को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने की अपील की गई। बैठक में विशेष रूप से इस बात पर चर्चा हुई कि सम्मेलन को लेकर लोगों में उत्साह है और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

कदमा में रामनगर सामुदायिक भवन, मानगो में 15 नंबर एवं मरीना सिटी क्षेत्र, बमामाईंस में छठ घाट विकास भवन, बारीडीह कार्यालय तथा साकची स्थित शीतला माता मंदिर में अलग-अलग समय पर बैठकें हुईं। बैठकों में सम्मेलन के उद्देश्य, युवाओं को सट्टेबाजी और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा अधिक से अधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ने पर चर्चा की गई।

बारीडीह में आयोजित बैठक सम्मेलन के संयोजक एवं सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनोज सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सम्मेलन की तैयारियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया तथा विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी अलग-अलग सदस्यों को सौंपी गई।

भवन, टेंट एवं साउंड सिस्टम की जिम्मेदारी ऋषिकेश तिवारी एवं विवेक पांडेय को दी गई जबकि जलपान एवं भोजन की व्यवस्था में नीरज सिंह, अमित शर्मा, दुर्गा राव, अतुल सिंह, अजय कुमार, शंकर कर्मकार एवं अर्जुन यादव शामिल रहेंगे। वाहन व्यवस्था के लिए जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू, राघवेंद्र सिंह झुन्ना एवं अमित शर्मा को जिम्मा दिया गया है। ऐसे ही सोशल मीडिया का काम जीतू पांडेय, आदित्य मुखर्जी एवं सोनू दत्त देखेंगे जबकि नगर सज्जा का काम प्रवीण सिंह, विकास साहनी, ऋषिकेश तिवारी, हेमंत पाठक, लालू गौड़, राजन राजपूत, शुभम विश्वकर्मा, संतोष भगत, टुनटुन सिंह एवं युवा मोर्चा की टीम देखेगी। प्रशासनिक समन्वय, औद्योगिक एवं यूनियन संपर्क तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्कूल-कॉलेजों से समन्वय के कार्य में मुकुल मिश्रा, राघवेंद्र सिंह उर्फ झुन्ना, सुबोध श्रीवास्तव, अजय कुमार, जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू, धर्मेंद्र प्रसाद, पप्पू सिंह एवं साकेत गौतम शामिल रहेंगे। मंच सज्जा की जिम्मेदारी अमृता मिश्रा, मंजू सिंह, उषा यादव एवं महिला मोर्चा की टीम को दी गई है

मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्धता पर डॉ. अमित कुमार पांडेय सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल में कांके टॉक्स की ओर से आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और झारखंड की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची के प्रो वाइस चांसलर डॉ. अमित कुमार पांडेय को प्रतिष्ठित कांके टॉक्स संवाद सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमित कुमार पांडेय को यह सम्मान उच्च शिक्षा के माध्यम से झारखंड के युवाओं को सशक्त बनाने, मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में सकारात्मक पहल को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने मंच पर डॉ. अमित कुमार पांडेय को सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक बलबीर दत्त तथा प्रसिद्ध नागपुरी लोक कलाकार एवं गायक मुकुंद नायक सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. पांडेय ने कहा कि राज्य के मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पहचान, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर देना सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, कौशल विकास, उचित मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस : कमलेश

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस चिंतित है। मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और इसमें किसी भी प्रकार की मनमानी, अपारदर्शिता अथवा पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की आशंका गंभीर विषय है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोमवार, 28 सितंबर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव एवं संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों से बात कर आंदोलन की तैयारियों की समीक्षा की है।

कमलेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग की संस्थागत जवाबदेही और निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब जनता को स्पष्ट रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि रांची में निर्वाचन आयोग के कार्यालय के समक्ष घेराव-प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बताया। हालांकि, निर्वाचन आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार झारखंड में एसआईआर के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 5 अगस्त से 4 सितंबर तक निर्धारित थी और अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद नागरिकों को मताधिकार मिला, लेकिन अब इस अधिकार को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटने के लिए अलग-अलग हथकंडे अपना रही है और इसका असर एससी, एसटी, ओबीसी तथा अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं पर पड़ रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में किसी पात्र मतदाता का नाम प्रभावित न हो, इसके लिए पारदर्शी प्रक्रिया और स्पष्ट जवाबदेही जरूरी है। निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाताओं के लिए नाम और मतदान संबंधी विवरण की जांच तथा आवश्यक दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की ऑनलाइन सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

संवाददाता सम्मेलन में झारखंड कांग्रेस के सह-प्रभारी भूपेन्द्र मारावी, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति और कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा उपस्थित थे।

कांग्रेस की भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त: आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि लगातार चुनावी पराजय से कांग्रेस हताश और बौखला गई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस को बार-बार नकार रही है, जिससे वह संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी खीझ निकाल रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में रविवार को आदित्य साहू ने कहा कि चुनाव आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना कांग्रेस की राजनीतिक हताशा का परिचायक है। कांग्रेस जनता को भ्रमित करने के लिए झूठ और भ्रामक प्रचार का सहारा ले रही है। लूट, झूठ और फरेब कांग्रेस पार्टी के स्वभाव में शामिल है। ये लोग झूठ बोलकर देश की जनता को गुमराह करते हैं तथा जनता को धोखा देते हैं।

साहू ने कहा कि चुनाव आयोग के आधिकारिक संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन के झूठ का पदार्फाश हुआ और कांग्रेस की भ्रम और मनगढ़ंत कहानियों की राजनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की बैठक और संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। कांग्रेस का झूठ बेनकाब हो गया। तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत सभी फैसले निष्पक्ष थे और चुनावी प्रक्रिया पर कांग्रेस के द्वारा सवाल उठाना उनकी हताशा का प्रतीक है।

साहू ने कहा कि कैबिनेट सचिव को लिखा पत्र किसी नीतिगत विषय या एसआईआर से संबंधित नहीं था। एक अखबार की रिपोर्ट कोरी कल्पना पर आधारित गढ़ी गई कहानी से ज्यादा और कुछ नहीं थी। उन्होंने कहा कि एसआईआर के फॉर्म-6 के घोषणापत्र को उच्चतम न्यायालय पहले ही वैध ठहरा चुका है, विपक्ष की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की साजिश एक बार फिर से नाकाम हुई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए चुनाव आयोग, उच्चतम न्यायालय और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। चुनाव आयोग की स्पष्टता के बाद कांग्रेस के आरोपों की वास्तविकता सामने आ गई है, ऐसे में कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए।

आदित्य साहू ने कहा कि जब भी विपक्ष जनता की अदालत में पराजित होता है, वह अपनी खीझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगता है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रचार की हवा निकाल दी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों (डॉ. एस. एस. संधू एवं डॉ. विवेक जोशी) की 26 सितंबर को अपराह्न 3 बजे बैठक हुई और उसके बाद एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया है, जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि देश भर में संचालित एसआईआर सहित सभी प्रमुख निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। 24 जून 2025 का मूल आदेश हो, या विभिन्न चरणों (12 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों व 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों) की समय-सारणी, सभी निर्णय पूरे आयोग की पूर्ण सहमति से लिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल आपदा पीड़ितों की मदद को आगे आया झारखंड गोर्खा समाज व जैप-1, पीएम राहत कोष में सौंपे 16.89 लाख नेपाली रुपये

रांची(बिभा): नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए झारखंड गोर्खा समाज (रांची) और झारखंड सशस्त्र पुलिस-1 (जैप-1) ने मानवीय पहल की मिसाल पेश की है। दोनों संस्थाओं के संयुक्त आह्वान पर चलाए गए राहत अभियान के तहत 16,89,250 नेपाली रुपये की राशि जुटाई गई, जिसे नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में विधिवत जमा कराया गया। इस राहत कोष संग्रह में जैप-1 के अधिकारियों व जवानों, गोर्खा सेवानिवृत्त संघ, गोर्खा उत्कर्ष युवा संघ, कीर्तन मंडली और पूरे झारखंड गोर्खा परिवार ने बढ़-चढ़कर आर्थिक योगदान दिया। राहत राशि के औपचारिक हस्तांतरण के लिए झारखंड से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल नेपाल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री से शिष्टाचार मुलाकात कर संकलित सहायता राशि का चेक/ड्राफ्ट सौंपा। नेपाल गए प्रतिनिधिमंडल में राजेन सिंह क्षेत्री, राम बहादुर गोदर, दिवस सेन ओली (अर्जुन), उज्ज्वल थापा एवं गोबिंदा पाण्डेय शामिल थे।

युवाओं ने ली नशा मुक्ति की शपथ

रांची(बिभा): मेरा युवा भारत, रांची द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति एवं सदर अस्पताल के समन्वय से रविवार, मेरा स्वास्थ्य, मेरी शान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप निदेशक श्वेता सिंह के संयोजन में आयोजित इस शिविर में 100 से अधिक युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत युवाओं का 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में पंजीकरण कराने के साथ-साथ बीएमआई, रक्तचाप और ब्लड शुगर जैसी बुनियादी स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान आयोजित दो विशेष जागरूकता सत्रों में सदर अस्पताल की डायटिशियन ममता कुमारी ने संतुलित आहार व स्वस्थ जीवनशैली का महत्व समझाया, जबकि टोबैको कंसल्टेंट श्री सुशांत कुमार ने युवाओं को नशे व तंबाकू के दुष्प्रभावों और उससे बचाव की जानकारी दी। सत्र के अंत में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तंबा रिजवी ने उपस्थित सभी युवाओं को नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई और जागरूकता वीडियो भी दिखाया गया। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करना और उन्हें विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार करना है।

दुर्गा पूजा में सुरक्षा और सेवा के लिए 300 सदस्य संभालेंगे मोर्चा, युवा दस्ता की बैठक में फैसला

रांची(बिभा)। दुर्गा पूजा के दौरान शहर में सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर युवा दस्ता ने कमर कस ली है। रविवार को रांची के बड़ा तालाब परिसर में संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में फैसला लिया गया कि दुर्गा पूजा के दौरान युवा दस्ता के करीब 300 सदस्य सुरक्षा व्यवस्था और सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक में कुणाल आजवानी, मनीष कुमार साहू, प्रणय कुमार और सागर कुमार को सर्वसम्मति से युवा दस्ता का संरक्षक बनाया गया। राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि चार अक्टूबर 2026 को शहर के विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य दुर्गा पूजा को सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के साथ सेवा कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में दर्जनों नए सदस्यों ने युवा दस्ता की सदस्यता ग्रहण की। संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने सभी नए सदस्यों को दुर्गा पूजा के दौरान सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दिलाया। युवा दस्ता के कार्यकारी अध्यक्ष पीयूष आनंद ने कहा कि करीब 300 सदस्य जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे और प्रशासन तथा आम लोगों के बीच सहयोग की कड़ी के रूप में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं की सुविधा और जरूरतमंद लोगों की सहायता सहित विभिन्न सेवा कार्यों में सदस्य सक्रिय रहेंगे। बैठक में विकास राज, ज्योति शंकर साहू, राकेश कुमार सिंह, राहुल सिन्हा, नवनीत पांडेय, साहिल, प्रकाश सिन्हा, राजेश राम, अरविंद जायसवाल, सत्येंद्र पासवान, दीपक केसरी, संजय पटेल, सिकंदर महतो, विकास धर दुबे, राजीव सिंह, अविनाश सिंह, सूरज, दीपक कुमार साहू, राकेश कुमार, साहिल कुमार, प्रेम यादव, आयुष, अविनाश कुमार और उदय यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर बुलाकर मारपीट और ब्लैकमेलिंग के तीन आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

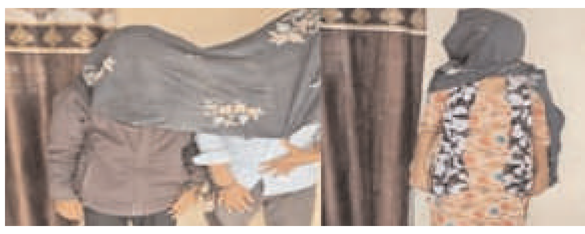

रांची। रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर में मसाज कराने के नाम पर एक युवक को बुलाकर कमरे में बंद करने, मारपीट करने, पैसे और सोने की चेन छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित मो नसीम की शिकायत पर नामकुम थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित सानिया प्रवीण, उसके पति मो हैदर और मो वसीम उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक घटना 24 सितंबर 2026 की है। मो नसीम ने पुलिस को बताया कि सुबह करीब 10.30 बजे उसके मोबाइल पर एक नंबर से फोन आया। फोन पर महिला की आवाज थी। महिला ने कथित तौर पर अपना परिचय सानिया परवीन के रूप में देते हुए कहा कि उसने मौलाना आजाद कॉलोनी में स्पा सेंटर खोला है और वहां मसाज कराने आ सकते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, बातचीत के बाद वह शाम करीब 6.30 बजे महिला के बताए मौलाना आजाद कॉलोनी की गली नंबर-11 में पहुंचा। नसीम ने आरोप लगाया कि वहां पहुंचने पर उसने देखा कि घर के अंदर सानिया परवीन उर्फ बेबी मौजूद थीं। उसके साथ एक अन्य महिला और दो युवक भी थे। शिकायतकर्ता का कहना है कि बातचीत के दौरान अचानक सभी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज की गई और उसे डराया-धमकाया गया। इसी दौरान आरोपितों ने उसके पास रखे 46 हजार रुपये नकद और गले में पहनी सोने की चेन कथित तौर पर छीन ली।

पुलिस को दिए आवेदन में मो नसीम ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपितों ने उसका मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उसकी कथित वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसे छोड़ने के लिए 08 हजार की मांग की गई। आरोप है कि दबाव में उसने बताए गए पेटीएम/यूपीआई नंबर पर रकम भेजी। इसके बावजूद स्पा से निकलने के बाद भी कथित तौर पर धमकी और पैसे की मांग जारी रही।

नसीम का आरोप है कि इसके बाद एक अन्य मोबाइल नंबर से भी उसे लगातार फोन कर पैसे की मांग की जा रही थी। उसने पूरे मामले की जानकारी नामकुम थाना पुलिस को दी और सानिया परवीन सहित उसके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले में एफआईआर दर्ज किया है। मामले की जांच एसआई सुनील कुमार गोंड को सौंपी गई। पुलिस ने फोन कॉल, मोबाइल नंबर, यूपीआई लेनदेन और वीडियो से जुड़े साक्ष्यों की भी जांच की और स्पा सेंटर में पहुंचकर पड़ताल की। जिसमें शिकायत सही पाई गई। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने रविवार को बताया कि आरोपितों ने 25 सितंबर को मो नसीम को मसाज के नाम पर घर बुलाया था। वहां उसके साथ मारपीट कर 46 हजार रुपये और सोने की चेन लूट ली गई थी। उसके बाद उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई।

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे मसाज के बहाने स्पा सेंटर में लोगों को बुलाते थे और सहयोगियों के साथ मिलकर मारपीट कर उनके कपड़े उतरवाकर वीडियो बनाते थे। इसके बाद वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रुपये और सामान वसूलते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

'सीसीएल विद्या सारथी-2026' का भव्य शुभारंभ, 400 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी दो साल तक मुफ्त जेईई/नीट कोचिंग

बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की महत्वाकांक्षी सीएसआर पहल सीसीएल विद्या सारथी-2026 का विधिवत शुभारंभ रविवार को सीसीएल के लाल हॉस्टल (गांधीनगर, रांची) में किया गया। इसी के साथ सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में स्थित सभी 10 डीएवी प्रशिक्षण केंद्रों पर भी इस कोचिंग कार्यक्रम की शुरूआत हो गई।

इस पहल के तहत 400 चयनित विद्यार्थियों को अगले दो वर्षों तक प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं (जेईई/नीट) के लिए पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। नेशनल कंप्यूटर साक्षरता मिशन के तकनीकी सहयोग से संचालित इस योजना में छात्र-छात्राओं को विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षण, अध्ययन सामग्री, डिजिटल लर्निंग सपोर्ट, नियमित मॉक टेस्ट और निरंतर शैक्षणिक काउंसलिंग दी जाएगी।

10 डीएवी केंद्रों पर होगी पढ़ाई, रांची से 60 छात्रों का चयन

यह कार्यक्रम सीसीएल कमांड क्षेत्र के 10 डीएवी पब्लिक स्कूलों– कुजू, बरकाकाना, ढोरी, गिरिडीह, रजरप्पा, कथारा, रांची, अरगड़ा, हजारीबाग एवं पिपरवार में संचालित किया जाएगा। इनमें रांची केंद्र के लिए 60 मेधावी विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिन्होंने अपने अभिभावकों के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास को सफलता का मूलमंत्र बताया। वहीं मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार ने कहा कि सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर ग्रामीण व दूरदराज के विद्यार्थी भी अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीएसआर) एस.एस. लाल, महाप्रबंधक (कल्याण) संजय कुमार ठाकुर, एनसीएसएम के प्रतिनिधिगण, सीसीएल के लाल व सीसीएल की लाडली योजना के फैकल्टी मेंबर्स सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान महावीर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की वार्षिक आमसभा संपन्न, रातू रोड में खुलेगा स्टेट ऑफ द आर्ट डायलिसिस सेंटर

बिभा संवाददाता

रांची: भगवान महावीर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर संस्थान, रांची की वार्षिक आमसभा (एजीएम) रविवार को बरियातू स्थित महावीर भवन में संस्था के अध्यक्ष संतोष जैन के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत अध्यक्ष संतोष जैन ने की, जिसके बाद संस्था के सचिव पंकज सेठी ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट उपस्थित सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। वहीं, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र जैन छाबड़ा ने वित्तीय वर्ष का आय-व्यय ब्योरा पेश किया।

आमसभा में बीते एक वर्ष के दौरान स्वास्थ्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

भगवान महावीर मणिपाल अस्पताल की भूमि व भवन का स्वामित्व रखने वाले संस्थान ने स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए रातू रोड में एक नई इकाई का क्रय किया है। संस्थान यहां जरूरतमंद मरीजों के लिए एक 'स्टेट ऑफ द आर्ट' डायलिसिस सेंटर खोलने जा रहा है। इसके अतिरिक्त भविष्य में जनसामान्य को न्यूनतम शुल्क (लो कॉस्ट) पर फिजियोथेरेपी, ब्लड बैंक एवं डेंटल केयर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया।

4 वर्षों में 3,000 से अधिक निःशुल्क सर्जरी, ?6 करोड़ की आर्थिक मदद

संस्था द्वारा संचालित महावीर भवन के चौथे तल पर स्थित भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में फेको तकनीक से निःशुल्क मोतियाबिंद, चैलेजियन और पीटीआर सर्जरी की सुविधा दी जा रही है। बीते 4 वर्षों में संस्थान द्वारा 3,000 से अधिक निःशुल्क मोतियाबिंद व अन्य नेत्र ऑपरेशन किए जा चुके हैं तथा हजारों लोगों को मुफ्त परामर्श दिया गया है। मोबाइल एम्बुलेंस के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सैकड़ों निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए महावीर भवन में किफायती दर पर 84 बेड की व्यवस्था उपलब्ध है। संस्थान ने गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की मदद करते हुए बीते वर्ष लगभग 6 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सैकड़ों जरूरतमंदों तक पहुंचाई।

सभा में उपाध्यक्ष गोविंद राम सरावगी, कमल विनाईक्या, सहसचिव रोहित जैन व अमित जैन, पूरणमल जैन, दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष प्रदीप बाकलीवाल, डॉ. वी.के. जैन, पदमचंद जैन, नरेंद्र पण्ड्या, विजय जैन, आलोक सरावगी, विनय सरावगी, रीता जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी जनसंपर्क प्रतिनिधि पौरुष जैन ने दी।

5वां राष्ट्रीय नेत्र सम्मेलन संपन्न: समय पूर्व जन्मे बच्चों के लिए 30 दिन अहम, ग्लूकोमा व आई कैंसर के लक्षणों पर सतर्कता जरूरी

बिभा संवाददाता

रांची: होटल चाणक्य बीएनआर में आयोजित तीन दिवसीय 5वां अखिल भारतीय नेत्र सम्मेलन रविवार को भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए 1500 से अधिक नेत्र विशेषज्ञों ने 100 से ज्यादा वैज्ञानिक सत्रों के जरिए आधुनिक नेत्र चिकित्सा, जटिल सर्जरी और नवीनतम अनुसंधानों पर गहन मंथन किया। अंतिम दिन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों, पोस्टर्स और वीडियो प्रस्तुतियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के डिप्टी डायरेक्टर एवं एम्स (नई दिल्ली) से प्रशिक्षित आरओपी (आरओपी) विशेषज्ञ डॉ. बिभूति कश्यप ने बताया कि समय से पहले जन्मे (प्रीमैच्योर) या कम वजन वाले बच्चों के लिए शुरूआती 30 दिन सबसे नाजुक होते हैं। ऐसे बच्चों की रेटिना की रक्त वाहिकाएं पूरी तरह विकसित नहीं होतीं, जिससे 'रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी' (आरओपी) का खतरा रहता है। आरओपी की शुरूआत में आंखें बाहर से सामान्य दिखती हैं, इसलिए लक्षण दिखने या सफेद पुतली का इंतजार किए बिना जन्म के तुरंत बाद रेटिना की स्क्रीनिंग करानी चाहिए। शुरूआती पहचान से लेजर, एंटी-श्एत्र्क्ष्ट और उन्नत सर्जरी के जरिए बच्चे की रोशनी बचाई जा सकती है।

ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी के मानद महासचिव डॉ. संतोष जी. होनावर ने चेतावनी दी कि बच्चे की तस्वीर में या सामान्य रोशनी में पुतली का सफेद दिखना केवल कैमरे का फ्लैश नहीं, बल्कि रेटिनोब्लास्टोमा (आंख के कैंसर) का शुरूआती लक्षण हो सकता है। यह बीमारी आमतौर पर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में होती है। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान से आधुनिक तकनीकों (जैसे कीमोथेरेपी, लेजर, क्रायोथेरेपी व ब्रैकीथेरेपी) के माध्यम से 98% मामलों में जान और 80% में दृष्टि बचाना संभव है। माता-पिता पुतली का सफेद होना, अचानक भेंगापन, लगातार लाली, आंख में दर्द या पुतली के रंग में बदलाव दिखने पर तुरंत ऑक्युलर ऑन्कोलॉजिस्ट से संपर्क करें।

हैदराबाद के सुप्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ डॉ. मनोज माथुर ने ग्लूकोमा को दृष्टि का मूक चोर करार देते हुए कहा कि यह बीमारी बिना किसी पूर्व चेतावनी के ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचाती है। एक बार नष्ट हुई दृष्टि दोबारा नहीं लौटाई जा सकती, इसलिए इसका उद्देश्य बची हुई दृष्टि को सुरक्षित रखना होता है। 40 वर्ष की आयु के बाद या पारिवारिक इतिहास, डायबिटीज व अधिक पावर वाले चश्मे के उपयोगकर्ताओं को नियमित जांच करानी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि केवल आंखों का प्रेशर सामान्य होना ग्लूकोमा न होने की गारंटी नहीं है; इसके लिए ओसीटी और विजुअल फील्ड जैसी सघन जांचें जरूरी हैं। साथ ही डॉक्टर की सलाह के बिना ड्रॉप्स कभी बंद नहीं करनी चाहिए।

अंतर-विद्यालय राष्ट्रीय समूह गान में एमजीएम और लोकगीत में केवी-1 रहा अव्वल

बिभा संवाददाता

बोकारोः भारत विकास परिषद, बोकारो नॉर्थ के तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-4 स्थित केन्द्रीय विद्यालय-1 के प्रांगण में अंतर-विद्यालय 'राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के मुख्य नगर प्रशासक कुंदन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर तथा भारत माता व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया। इसके पश्चात वंदे मातरम् के गायन से पूरा सभागार राष्ट्रभक्ति के रंगों में रंग गया। अतिथियों का स्वागत परिषद के अध्यक्ष लंबोदर उपाध्याय ने किया, जबकि मंच संचालन संजय सिन्हा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रसंजीत कुमार, श्रीमती ममता सिंह और अमरजीत सिन्हा शामिल थे। कड़े मुकाबले के बीच समूह गान स्पर्धा में एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल (सेक्टर-4) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं डीपीएस (सेक्टर-4) द्वितीय और मिथिला एकेडमी (सेक्टर-4) तृतीय स्थान पर रहे। लोकगीत स्पर्धा में केन्द्रीय विद्यालय-1 (सेक्टर-4) की टीम ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित झारखंड प्रांत के संयोजक प्रमुख बी.बी. दास ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर परिषद का विस्तार करते हुए तीन नए सदस्यों—प्रभा पांडे (सहकारी कॉलोनी में लड़कियों के लिए कौशल विकास योजना संचालिका), महिला सशक्तिकरण संस्था से जुड़ीं माया जी एवं तनुश्री को संस्था में शामिल किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष लंबोदर उपाध्याय, मनोज कुमार, श्रीमती पद्मावती और श्रीमती अर्चना ने विजेताओं को सम्मानित किया।

कृपानाथ मुखर्जी गरीबों के मसीहा चंदनकियारी के लाल थे : अमर कुमार

बिभा संवाददाता

तलगडिया। देवग्राम पंचायत के योगीडीह मे अलग राज्य झारखण्ड वनांचल आंदोलनकारी स्व समरेश सिंह के करीबी रहे स्व कृपानाथ मुखर्जी चौक पर कृ पानाथ मुखर्जी स्मृति मंच चंदनकियारी की ओर से शुक्रवार को 6 वीं पुण्यतिथि मनाई गयी। मुख्य अतिथि सांसद ढूलु महतो, विशिष्ट अतिथि मंत्री सह प्रतिपक्ष नेता अमर कुमार बाउरी ने मुर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। सांसद ने कहा कि स्व मुखर्जी हमारे बडे भाई थे।जब हम राजनीति में नहीं थे तब यह हमे मार्ग दर्शन देने थे। गरीब गुरु वा के बुंलद आवाज थे। आज चंदनकियारी के विधायक बिकास नाम पर मुखदर्शक बने हुए हैं। केन्द्र सरकार की योजना को राज्य सरकार की योजना बता ते है। इस अवसर पर उन्होंने सांसद मद से कृपा नाथ चौक पर शेड निर्माण का संयुक्त रुप से किया।।श्रीं बाउरी ने कहा स्व कृपानाथ मुखर्जी गरीबों के मसीहा व चंदनकियारी के लाल थे। वह हमारे अभिभावक के रुप मार्गदर्शन देते रहते थे। चंदनकियारी विधानसभा सभा ही नहीं चास बोकारो धनबाद झरिया सिंदरी निरशा गिरीडीह हजारीबाग क्षेत्र के एक भाजपा के कदावर समर्पित कार्यकर्ता रुप में जाने जाते थे। रात 12 बजे भी अगर जनता को किसी भी समस्या को लेकर जरूरत पड़ती थी तो कृपानाथ दा पहुंच कर समाधान करते थे। आज भी कोई समस्या होती है तो इनका लोग याद करते हैं। बेटी की शादी हो, श्राद्ध, अस्पताल, क्षेत्र में लोगों के मददगार थे। अपने घर परिवार पर समय कम देते, ओर क्षेत्र के लोगों के बीच अधिक समय देकर समस्या का समाधान किया करते थे। कृपानाथ मुखर्जी ने स्व समरेश सिंह के नेतृत्व में स्व त्रिवेणी महथा के सहयोग से भोजुडीह इंटरवेल में लंम्बी संघर्ष आंदोलन कर 50 बेरोजगार को नियोजन व रोजगार दिलाये थे। पर्वतपुर कोल ब्लाक में भी रैयत मजदूर को हक अधिकार दिलाने में अहम भूमिका था। जो आज भी लोग इन्हें याद करते हैं। अध्यक्षता आकाश मुखर्जी व संचालन मुखिया संघ अध्यक्ष अजय राजवार ने किया। धन्यवाद भाजपा मिडिया प्रभारी पुत्र राकेश मुखर्जी ने किया।

मौके पर देवघर युवा मोर्चा प्रभारी भानुप्रताप सिंह, गौर राजवार, सांसद प्रतिनिधि अरविंद दुबे बिजुलिया,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा संटू राय, आमलाबद व चंदनकियारी मंडल अध्यक्ष बबलुकुमार चौबे,हेमंत शेखर,अशौक शर्मा, पंकज शेखर,, सपा राष्ट्रीय महासचिव मुमताज अली, मुखिया संतोष कुमार , उमेश कुमार सिंह, बुद्धदेव मुखर्जी, कृष्णा मुखर्जी, पुजा मुखर्जी, बिपाशा चटर्जी बनता चटर्जी, श्रेया मुखर्जी, मीडिया मुखर्जी, लोकेश मुखर्जी, बिजय सिंह, अनिल दशौंधी, कृष्ण गोप, कुलदीप महथा सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बारिश में भरभराकर गिरा कच्चा मकान, बाल-बाल बचीं बुजुर्ग महिला और पोता

कसमार (बोकारो) (बिभा): प्रखंड की गर्री पंचायत अंतर्गत तेलमुंगा गांव के तिलयगजार टोला में शनिवार की रात तेज बारिश के दौरान एक जर्जर कच्चा खपरैल मकान अचानक धराशायी हो गया। हादसे के वक्त घर के अंदर विधवा पुरनी देवी अपने पोते के साथ सो रही थीं। मकान गिरने की जोरदार आवाज सुनकर दोनों हड़बड़ा कर उठे और समझदारी दिखाते हुए कमरे के एक कोने में दुबक गए। गनीमत रही कि मकान का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिरने के बावजूद दोनों की जान बाल-बाल बच गई। हालांकि, पुरनी देवी का वर्षों पुराना आशियाना रातोंरात मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। रविवार सुबह मलबे में तब्दील घर को देखकर पीड़िता बेसुध हो गईं। लगातार हो रही बारिश के बीच अब इस गरीब परिवार के सामने सिर छिपाने का गहरा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत सामग्री और सरकारी आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने की मांग की है।

साहित्य की सुरमयी शाम में गूंजा कविता का स्वर, जोहार दर्पण का द्वितीय वार्षिकोत्सव संपन्न

बोकारो(बिभा)। जोहार दर्पण साहित्यिक मंच, बोकारो इस्पात नगर का द्वितीय वार्षिकोत्सव सह कवि सम्मेलन रविवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-6, बोकारो में साहित्यिक गरिमा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीप कुमार सक्सेना सहित झारखंड के अनेक प्रमुख साहित्यकारों, कवियों, रचनाकारों एवं साहित्यप्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण साहित्यकार महेंद्र नाथ गोस्वामी सुधाकर की पुस्तक कथा सरोवर का विमोचन रहा। उपस्थित साहित्यकारों ने पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक को शुभकामनाएं दीं तथा साहित्य जगत में इस कृति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इसी अवसर पर झारखंड के प्रमुख साहित्यकार शांति भारत जी की पुस्तक नीनछीछकी को जोहार दर्पण मातृभाषा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। मातृभाषा और क्षेत्रीय साहित्य के प्रति उनके योगदान को रेखांकित करते हुए मंच की ओर से यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करते हुए शांति भारत जी ने मंच के प्रति आभार व्यक्त किया। जोहार दर्पण साहित्यिक मंच का उद्देश्य साहित्य, संस्कृति एवं मातृभाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ वरिष्ठ और नवोदित रचनाकारों को एक साझा मंच प्रदान करना है। मंच द्वारा निरंतर साहित्यिक आयोजनों के माध्यम से झारखंड की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में मंच की ओर से मुख्य अतिथि, सभी सम्मानित साहित्यकारों, रचनाकारों, श्रोताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कहा कि साहित्य के प्रति समाज की निरंतर बढ़ती सहभागिता ही ऐसे आयोजनों की सार्थकता है।

रात में पुलिस गश्ती का औचक निरीक्षण, एंटी क्राइम और ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग

बोकारो(बिभा)। पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर 26/27 सितंबर की मध्यरात्रि पुलिस उपाधीक्षक, नगर द्वारा नगर क्षेत्र के सेक्टर-4 थाना, सेक्टर-6 थाना एवं बीएस सिटी थाना के रात्रिकालीन गश्ती दलों और रक्षक राइडर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक ने विभिन्न स्थानों पर तैनात गश्ती पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की उपस्थिति, गश्ती व्यवस्था तथा क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का जायजा लिया। उन्होंने रात्रिकालीन गश्ती को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा एंटी क्राइम चेकिंग अभियान भी चलाया गया। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की गई तथा विभिन्न वाहनों के कागजात और अन्य आवश्यक बिंदुओं की जांच की गई। सड़क दुर्घटनाओं तथा शराब के नशे में वाहन चलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान भी चलाया गया। इस दौरान वाहन चालकों की जांच की गई। पुलिस उपाधीक्षक, नगर ने रात्रिकालीन गश्ती दलों को विशेष रूप से संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्ती करने तथा किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहते हुए अपराध नियंत्रण और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा।

34वें चैप्टर कन्वेंशन में गुणवत्ता सुधार पर मंथन, 42 टीमों ने पेश की केस स्टडी

बिभा संवाददाता

बोकारो। क्यूसीएफआई, बोकारो चैप्टर की ओर से आयोजित दो दिवसीय 34वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स का समापन शनिवार देर शाम बोकारो स्टील प्लांट के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में हुआ। कन्वेंशन में बोकारो स्टील प्लांट, टाटा मोटर्स, ईएसएल-वेदांता, विवेक विद्यालय जमशेदपुर, एसकेएफ इंडिया लिमिटेड जमशेदपुर, आईटीसी डेयरी प्लांट मुंगेर तथा पाटील रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, बालीडीह की कुल 42 क्यूसी, एलक्यूसी और काइजेन टीमों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्ता ने कहा कि क्वालिटी सर्कल्स जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को एकजुट कर उनके छोटे-छोटे विचारों को संस्थान की प्रगति में उपयोगी बनाते हैं। टीम भावना के साथ कार्य करते हुए ये समूह कार्यप्रणाली की कमियों को दूर करने के साथ उत्पादन, सुरक्षा और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कन्वेंशन के पहले दिन क्यूसी समूहों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 35 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बोकारो स्टील प्लांट की हिमालया टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ईएसएल-वेदांता की हैड्रोनोवा टीम द्वितीय और बीएसएल की प्रतिज्ञा टीम तृतीय स्थान पर रही। इसके बाद आयोजित क्यूसी मॉडल प्रतियोगिता में बीएसएल, टाटा मोटर्स और विवेक विद्यालय, जमशेदपुर की टीमों ने अपने मॉडल प्रस्तुत किए। इसमें बीएसएल की विक्रम साराभाई टीम प्रथम, विवेक विद्यालय जमशेदपुर की जेनिथ टीम द्वितीय और बीएसएल की डाइनैमिक ड्रैगन टीम तृतीय रही।

कार्यक्रम के अंतिम दिन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। चार समानांतर सत्रों में 42 टीमों ने अपनी केस स्टडी प्रस्तुत की और गुणवत्ता सुधार से जुड़े विभिन्न पहलुओं को साझा किया। समापन समारोह में क्यूसीएफआई, बोकारो चैप्टर के मानद सचिव मनोज कुमार दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए चैप्टर की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन संजय सिन्हा ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम की घोषणा नवीन चंद्र पाठक ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राम कुमार तिवारी ने किया। मौके पर लखविंदर सिंह, अमन कुमार, शिवनंदन कुमार, चंदन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सिफारिश के अभाव में छूटा गरीब का आवास, बारिश में पांच बेटियों संग बेघर परिवार

कसमार : लगातार हो रही बारिश के बीच मंजूरा पंचायत में शनिवार को पंचायत भवन से ठीक सटी एक गरीब परिवार की कच्ची खपरैल झोपड़ी भरभराकर धराशायी हो गई। पिंटू करमाली, उनकी पत्नी और पांच बेटियों का परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। गनीमत रही कि जिस वक्त मकान गिरा, परिवार के सभी सदस्य बाहर थे। अगर यही हादसा उस समय हुआ होता, जब पूरा परिवार घर के अंदर सो रहा होता, तो मंजर कितना भयावह होता, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। विडंबना यह है कि पंचायत भवन से महज कुछ कदम की दूरी पर रहने वाला यह परिवार लंबे समय से सुरक्षित आवास के लिए पंचायत के चक्कर काटता रहा, लेकिन उसे अब तक पक्की छत नसीब नहीं हुई। परिवार का आरोप है कि अपनी बदहाली बताने के बावजूद आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका। ग्रामीणों का सवाल है कि जब जर्जर झोपड़ी हादसे को न्योता दे रही थी, तो समय रहते इसकी सुध क्यों नहीं ली गई। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने भोजन और सुरक्षित आश्रय की समस्या खड़ी है। प्रशासन ने अस्थायी आश्रय और पात्रता के आधार पर आवास दिलाने का आश्वासन दिया है। अब देखना है कि यह आश्वासन कब हकीकत बनता है।

बरुआटांड़ रेलवे अंडरपास की टूटी जाली की मरम्मत शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारोः बरुआटांड़ स्थिति रेलवे अंडरग्राउंड पुल पर लोहे की जाली टूटने से मंडरा रहे दुर्घटना के खतरे को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य शुरू करा दिया है। इस पहल से बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के कर्मचारियों, ठेका मजदूरों और स्थानीय राहगीरों ने राहत की सांस ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोकारो स्टील प्लांट के टीसी (एसजीपी) गेट से निकलने वाले भारी लोडिंग डंपर इसी अंडरपास सड़क से होकर गुजरते हैं। डंपरों के अत्यधिक दबाव के कारण जल निकासी के लिए लगाई गई लोहे की भारी जाली टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई थी। सड़क पर बनी इस स्थिति से रोजाना आने-जाने वाले हजारों बीएसएल कर्मियों और आम लोगों के लिए कभी भी गंभीर दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी।

सेंगेल की सूचना पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार (26 सितंबर) को आदिवासी सेंगेल अभियान के जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने टूटी जाली की रिपोर्ट और तस्वीरें रेलवे विजिलेंस प्रशासन को सौंपकर तत्काल मरम्मत की मांग की थी। रेलवे विजिलेंस ने शिकायत पर त्वरित संज्ञान लिया और रविवार (27 सितंबर) सुबह ही अंडरपास पुल की जाली का निर्माण व मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर शुरू करा दिया। कार्य शुरू होने के बाद रविवार सुबह लगभग 11:45 बजे रेलवे विजिलेंस प्रशासन के अधिकारी संजय कुमार ने व्यक्तिगत रूप से सुखदेव मुर्मू से मुलाकात कर मरम्मत कार्य शुरू होने की जानकारी साझा की। जनहित के इस कार्य पर त्वरित कार्रवाई के लिए सुखदेव मुर्मू और आदिवासी सेंगेल अभियान की पूरी टीम ने रेलवे प्रशासन और विजिलेंस विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है।

कर्ण कायस्थ महासभा का भव्य पारिवारिक स्नेह मिलन संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारोः सेक्टर-5 स्थित बोकारो क्लब में रविवार को कर्ण कायस्थ महासभा की स्थानीय इकाई द्वारा एक भव्य पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जमशेदपुर में आगामी 19 और 20 दिसंबर को होने वाले ह्यअंतर्राष्ट्रीय कर्ण कुंभ सम्मेलनह्ण में बोकारो से कर्ण कायस्थ समाज की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के दौरान महासभा के वरीय पदाधिकारियों ने समाज के लोगों को इस अंतर्राष्ट्रीय महाकुंभ में शामिल होने का औपचारिक न्योता दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक अनूप कुमार दत्त, कर्ण कायस्थ महासभा (झारखंड) के अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार, कर्ण समागम बोकारो के अध्यक्ष अनिल कुमार कर्ण, प्रदेश महासचिव श्रीमती निर्मला कर्ण, सचिव अमरनाथ लाल दास और कर्ण गोष्ठी बोकारो की महिला अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा रानी कर्ण ने समाज के लोगों से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तन, मन और धन से सहयोग करने एवं बड़ी संख्या में जमशेदपुर पहुंचने का आह्वान किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और काव्य पाठ ने मोहा मन समारोह के दौरान स्थानीय बच्चों ने आकर्षक नृत्य और मनमोहक गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। वहीं, कवि सम्मेलन के सत्र में कवि विजय शंकर मल्लिक, जीतेंद्र प्रसाद कर्ण, राजीव कंठ और महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रहीं श्रीमती निर्मला कर्ण ने अपनी सुंदर रचनाओं का पाठ कर माहौल को काव्यमय बना दिया। विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर जमशेदपुर चित्रगुप्त समिति एवं महासभा जमशेदपुर के अशोक चौधरी व आशीष दास, धनबाद महासभा के महासचिव शिशिर कुमार, संयुक्त सचिव व प्रख्यात कवि जीतेंद्र प्रसाद कर्ण, बोकारो कर्ण समागम के महासचिव मिहिर चंद कंठ, कोषाध्यक्ष परिणव कुमार, उपाध्यक्ष राजेंद्र मल्लिक व सिधेश नारायण दास, संरक्षक विजय शंकर मल्लिक, चंद्रपति मल्लिक, उप महासचिव अमरनाथ लाल दास, तथा धनबाद से बिपिन कुमार एवं शैलेंद्र कुमार लाल सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह के अंत में कर्ण कायस्थ महासभा बोकारो के उपाध्यक्ष अरबिंद कुमार ने सभी अतिथियों एवं समाज के लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

तेनुघाट पर्यटन स्थल पर ओएनजीसी ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान; प्लास्टिक व कचरा हटाकर पर्यटकों से की संयम की अपील

बिभा संवाददाता

तेनुघाट (बोकारो): 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026' के तहत रविवार को ओ.एन.जी.सी. सी.बी.एम. परिसम्पत्ति, बोकारो द्वारा प्रसिद्ध तेनुघाट पर्यटन स्थल एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। हस्तशिल्प विकास संस्थान के संचालन में आयोजित इस अभियान के दौरान पर्यटन क्षेत्र से भारी मात्रा में कचरे की सफाई कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया गया। सफाई के दौरान बड़ी संख्या में शराब की खाली बोतलें और प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। अभियान के दौरान ओएनजीसी और सहयोगी संस्थाओं ने स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों से सार्वजनिक व पर्यटन स्थलों पर शराब का सेवन न करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और सुरक्षित रखना हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। स्थानीय ग्रामीणों ने ओएनजीसी की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार जताया।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत ओएनजीसी द्वारा विभिन्न विद्यालयों में बच्चों के बीच पेंटिंग, क्विज एवं कबाड़ से जुगाड़ जैसी जागरूकता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही लंबे समय से जमा पड़े कचरे (लिगेसी वेस्ट) को हटाने का काम भी तेजी से जारी है। यह पूरा अभियान परिसम्पत्ति प्रबंधक श्री राजीव कुमार सिन्हा के दिशा-निर्देशन में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम में ओएनजीसी सीएसआर टीम से दयानंद कालुंडिया, श्रीमती डॉली कुमारी, शशि कुमार, हस्तशिल्प विकास संस्थान के सचिव नरेश ठाकुर, अध्यक्ष श्रीमती उमा कुमारी, संजय गोप, जीवन ज्योति जनकल्याण केंद्र के सचिव सूरज कुमार यादव, दिनेश कुमार तथा 50 से अधिक स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर श्रमदान किया।

अभियान के अंत में सामूहिक रूप से संदेश दिया गया कि ह्लस्वच्छ पर्यटन स्थल, स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए हर व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

पगारबाद में रजवार समाज सुधार समिति की बैठक संपन्न, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

चंदनकियारीः रजवार समाज सुधार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को चंदनकियारी प्रखंड के पगारबाद गांव में संपन्न हुई। बैठक में समाज के शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा समाज के उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज के समुचित विकास के लिए युवाओं का आगे आना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक पहल की जानी चाहिए। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि इस दिशा में समाज के सक्षम, शिक्षित और प्रबुद्ध लोगों को मुख्य जिम्मेदारी निभानी होगी। सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ बैठक में राजनीतिक विषयों पर भी गंभीर मंथन हुआ। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण के लिए लोगों के भीतर राजनीतिक चेतना जगाना समय की मांग है। जब तक समाज संगठित और जागरूक नहीं होगा, तब तक अपेक्षित विकास संभव नहीं है। इस अवसर पर रजवार समाज सुधार समिति के केंद्रीय अध्यक्ष संतोष रजवार, भोला रजवार, अर्जुन रजवार, गणेश रजवार, गौउर रजवार, जगरनाथ रजवार, लालमोहन रजवार, शांति राम रजवार एवं निर्मल रजवार सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

एसआईआर प्रक्रिया पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग को घेरा, सीईओ ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर समाहरणालय घेराव आज

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह लोहरदगा जिला प्रभारी आलोक कुमार दूबे ने कुडू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई आर) की प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नाम जोड़ने व हटाने जैसे अहम मुद्दों पर खुद दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा 10 महीनों में करीब 14 बार दर्ज कराई गई आपत्तियां चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और जवाबदेही पर बड़ा सवालिया निशान लगाती हैं।

आलोक दूबे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए पार्टी के देशव्यापी आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि रक्फ़के पहले दो चरणों में देश भर से करीब 7.8 करोड़ मतदाताओं (लगभग 13%) के नाम हटाए गए। तीसरे चरण में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ नाम काटे गए, जबकि 5.43 करोड़ लोगों को अतिरिक्त दस्तावेजों के लिए नोटिस दिए गए हैं।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि झारखंड में भी नाम हटाए जाने या हटाने के जोखिम वाले मतदाताओं का अनुपात करीब 39.57 प्रतिशत है। इस प्रक्रिया का सबसे बुरा असर गरीब, मजदूर और कमजोर तबके पर पड़ रहा है, जिन्हें मामूली दस्तावेजी खामियों या तकनीकी कारणों से मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। आयोग को राज्यवार पूरी प्रक्रिया और नाम हटाने के कारणों को सार्वजनिक करना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ चल रहे अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस लड़ाई को हर नागरिक के अधिकार की रक्षा के लिए लड़ रही है। इसके तहत 28 सितंबर को झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में जोरदार प्रदर्शन और समाहरणालय का घेराव किया जाएगा, साथ ही राजधानी रांची स्थित निर्वाचन कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन होगा।

कुडू में कार्यकताओं से समाहरणालय घेराव को सफल बनाने की अपील

इससे पूर्व कुडू के फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में मंडल अध्यक्ष सेराजुल अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक में आलोक दूबे ने कार्यकताओं से सोमवार को आयोजित समाहरणालय घेराव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, कमरुल इस्लाम, जसीम अंसारी, संजू तुरी, खुर्शीद खान, मोहम्मद इकबाल, मो. खुर्शीद खान, रशीद अंसारी, विक्की खान, अबू रेहान, परवेज आलम समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, 4.16 लाख से अधिक नोटिस भेजने का आरोप; आज समाहरणालय मार्च

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में रविवार को प्रेस वार्ता कर कांग्रेस नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से सवाल किए। प्रदेश महासचिव सह हजारीबाग प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद, जिलाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश पटेल, प्रदेश प्रवक्ता हाजी अब्दुल्ला और पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने मतदाता सूची, नोटिस और रक्फ़ प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां रखीं।

राजीव रंजन प्रसाद ने आरोप लगाया कि रक्फ़ के जरिए पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने हजारीबाग समेत कई क्षेत्रों में फॉर्म-7 के प्रिंटेड फॉर्म बांटे जाने, जीवित लोगों को मृत बताने और बड़ी संख्या में नोटिस जारी किए जाने का दावा किया। उन्होंने हजारीबाग में 4,16,052 लोगों को नोटिस दिए जाने का उल्लेख करते हुए समय-सीमा बढ़ाने की मांग की।कांग्रेस नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रवि कुमार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। जयप्रकाश पटेल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई।जयप्रकाश भाई पटेल ने बताया कि 28 सितंबर को अंबेडकर चौक से समाहरणालय तक मार्च निकाला जाएगा। इसके बाद विरोध प्रदर्शन, पुतला दहन और उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कांग्रेस ने कहा कि उसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई पात्र मतदाता सूची से बाहर न हो और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

संक्षिप्त खबरें

ज्ञान प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, सादिया परवीन रहीं प्रथम

लातेहार(बिभा)। ईचाक में कारवाने हयात सोसाइटी के तत्वावधान में रविवार को शैक्षणिक एवं इस्लामी ज्ञान प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शमसुल होदा ने की, जबकि बरकत आलम ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने शैक्षणिक ज्ञान, इस्लामी जानकारी एवं सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में शैक्षणिक एवं धार्मिक ज्ञान बढ़ाने के साथ उनमें आत्मविश्वास, प्रतिभा और सकारात्मक सोच विकसित करना था। विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में सादिया परवीन ने प्रथम, मंतशा परवीन ने द्वितीय तथा आरिफा फातिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।कार्यक्रम में ताहिर अंसारी, गढ़वा, मुमताज अहमद खान, डाल्टनगंज, शमीम रिजवी, पलामू, हातिम अंसारी, मौलाना गुलाम सरवर फैजी, मौलाना कारी अल हाकुल कादरी तथा मौलाना नजरुल कादरी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार की ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं से छात्राओं में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है तथा आत्मविश्वास और प्रतिभा का विकास होता है। कारवाने हयात सोसाइटी की ओर से प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग करने वाले आयोजकों, निर्णायकों, सदस्यों, अभिभावकों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नए थाना प्रभारी नीरज झा से समाजसेवी हलीम अंसारी ने की शिष्टाचार मुलाकात

कुडू(बिभा)। कुडू थाना के नए थाना प्रभारी नीरज कुमार झा के पदभार ग्रहण करने के बाद समाजसेवी सह कांग्रेसी नेता हलीम अंसारी ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नए थाना प्रभारी को नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान हलीम अंसारी ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि थाना प्रभारी नीरज कुमार झा के नेतृत्व में कुडू क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और बेहतर होगी तथा क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं सुरक्षा का माहौल कायम रहेगा। हलीम अंसारी ने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल एवं आपसी सहयोग से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। उन्होंने नए थाना प्रभारी को उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों के आपसी सहयोग से कुडू क्षेत्र में अमन-चैन एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक पहल जारी रहेगी।

सड़क किनारे भारी वाहनों की पार्किंग के विरुद्ध चला औचक जांच अभियान, 12 वाहनों में 02.50 लाख का चालान कटा

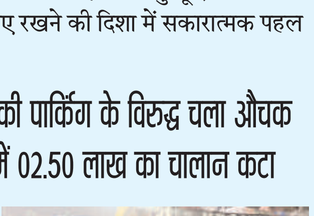

रामगढ़(बिभा): 26 सितंबर कि रात के समय सड़क किनारे, विशेषकर नो-पार्किंग जोन में भारी वाहनों एवं मालवाहक वाहनों द्वारा वाहन खड़ा किए जाने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को देखते हुए उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के निर्देश पर शनिवार को जिला परिवहन विभाग द्वारा विशेष औचक जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम द्वारा एनएच-33 अंतर्गत चुट्टूपालू घाटी, पटेल चौक, कुज्जू सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर औचक जांच की गई। इस दौरान सड़क किनारे एवं नो-पार्किंग जोन में खड़े भारी एवं मालवाहक वाहनों की विशेष रूप से जांच की गई। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम द्वारा वाहनों के पंजीकरण प्रमाण-पत्र, परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, चालक अनुज्ञप्ति सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों एवं निर्धारित पार्किंग व्यवस्था का पालन करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जांच अभियान के दौरान कुल 29 वाहनों की जांच की गई। इनमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 2,42,500 का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। बाकी को सड़क किनारे वाहन खडाानहीं करने कि नसीहत के साथ छोडाागया। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का ने वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों से अपील करते हुए कहा कि मुख्य सड़क अथवा सड़क किनारे नो-पार्किंग जोन व आवासीय परिसर के सामने में भारी एवं मालवाहक वाहनों को खड़ा न करें। सड़क किनारे अनाधिकृत रूप से वाहनों की पार्किंग से सड़क पर आवागमन बाधित होने के साथ-साथ अन्य वाहन चालकों को समय पर वाहन दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग द्वारा आगे भी नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में हजारीबाग की वर्षा कुमारी का चयन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) के लिए एक बार फिर गौरव का अवसर आया है। जिले के बरही की रहने वाली प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ी वर्षा कुमारी, पिता वीरेंद्र कुमार, का चयन झारखंड महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। वर्षा के चयन की खबर मिलते ही हजारीबाग के क्रिकेट जगत में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि को जिले की उभरती हुई महिला क्रिकेट प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

वर्षा कुमारी के झारखंड महिला अंडर-19 टीम में चयन पर हजारीबाग के सांसद सह एचडीसीए चेयरमैन मनीष जायसवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्षा कुमारी ने अपनी प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। झारखंड की टीम में हजारीबाग की बेटी का चयन पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में जिले की बेटियां लगातार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और ऐसी उपलब्धियां अन्य युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। सांसद ने वर्षा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। एचडीसीए अध्यक्ष राजीव सिंह ने भी वर्षा कुमारी के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षा का झारखंड महिला अंडर-19 टीम में चयन हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि उनकी लगन और मेहनत का परिणाम है। वही सचिव बंटी तिवारी ने कहा कि जिले में क्रिकेट प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और लगातार मेहनत करने वाले खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने वर्षा को आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने प्रदर्शन से हजारीबाग और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।वर्षा कुमारी का चयन जिले में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में भी सकारात्मक संदेश है। उनकी सफलता से जिले की अन्य युवा खिलाड़ी भी क्रिकेट के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित होंगी। संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने वर्षा कुमारी और उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हाई कोर्ट की डिग्री के बाद जमीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड, रैयत राजेंद्र प्रसाद ने गैरमंजरूआ आम बताए जाने पर जताई आपत्ति

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के आरा-चमातू गांव निवासी रैयत राजेंद्र प्रसाद ने अपनी जमीन को लेकर प्रकाशित खबर में गैरमंजरूआ आम बताए जाने पर आपत्ति जताई है। राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उनकी जमीन खाता संख्या 175 में दर्ज है और उक्त भूमि को लेकर हाई कोर्ट से डिग्री प्राप्त हुई है। डिग्री के आधार पर जमीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड भी कराया गया है तथा वर्तमान में उसका लगान भी कट रहा है।राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि हाई कोर्ट से प्राप्त डिग्री के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए जमीन को ऑनलाइन कराया गया। इसके बावजूद एक प्रकाशित खबर में उनकी जमीन को गैरमंजरूआ आम बताया गया, जो उनके अनुसार तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने कहा कि जमीन गैरमंजरूआ खास है और उनके पक्ष में न्यायालय की डिग्री भी प्राप्त है।वहीं, इस संबंध में बालूमाथ अंचलाधिकारी से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि राजेंद्र प्रसाद की ओर से हाई कोर्ट की डिग्री का पेपर प्रस्तुत किया गया था। दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद जमीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड किया गया। अंचलाधिकारी के अनुसार उपलब्ध डिग्री के आधार पर राजेंद्र प्रसाद की जमीन को खास के रूप में ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रकाशित खबर में जमीन को गैरमंजरूआ आम बताया जाना सही नहीं है।

नए थाना प्रभारी नीरज झा का कमरुल इस्लाम ने किया स्वागत

कुडू। कुडू थाना के नए थाना प्रभारी के रूप में नीरज कुमार झा ने पदभार ग्रहण कर लिया है पदभार संभालने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के लोहरदगा जिला उपाध्यक्ष कमरुल इस्लाम एवं कांग्रेस सेवादल के प्रखंड अध्यक्ष लाल राजेश नाथ शाहदेव और कुडू मीडिया प्रभारी सह पंचायत अध्यक्ष अबू रेहान ने नए थाना प्रभारी नीरज कुमार झा को बुके और डायरी भेंट कर बधाई दी। इस मौके पर अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष कमरुल इस्लाम ने उम्मीद जताई कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में कुडू क्षेत्र में कानून-व्यवस्था दुरुस्त होगी और आम जनता को त्वरित न्याय मिलेगा उन्होंने शांति व सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया इस दौरान क्षेत्र की समस्याओं पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

पतकी जंगल के पास बाइक सवार पर अज्ञात अपराधियों का हमला, गंभीर हालत में रिम्स रेफर

बिभा संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के एनएच-39 पर पतकी जंगल के समीप रविवार को अज्ञात अपराधियों ने मोटरसाइकिल सवार आशीष कुमार पर हमला कर दिया। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर लातेहार थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल आशीष कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। घायल की पहचान सदर थाना क्षेत्र के परसाही निवासी श्याम किशोर पासवान के पुत्र आशीष कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि आशीष कुमार लातेहार की ओर आ रहा था, तभी पतकी जंगल के पास अज्ञात अपराधियों ने उस पर हमला कर दिया।कांग्रेस नेता आफताब आलम ने बताया कि अपराधियों के हमले में आशीष कुमार गंभीर रूप से घायल हुआ है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रिम्स रेफर किया गया है।वहीं, घायल का प्राथमिक उपचार करने वाले चिकित्सक डॉ. जेपी जायसवाल ने बताया कि एक व्यक्ति घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचा था। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि जख्म को देखने से प्रतीत होता है कि किसी नुकीले हथियार से हमला किया गया है।घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसडीपीओ संदीप गुप्ता ने बताया कि घटना के बाद पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्व. सुदिव्य कुमार सोनू सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के चहेते थे : विकास राणा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : स्थानीय परिसदन भवन हजारीबाग में झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज, जिला कमेटी, हजारीबाग द्वारा झारखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू जी की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें विश्वकर्मा समाज के हजारीबाग जिला कमेटी के पदाधिकारियों के द्वारा उनके चित्र पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया ! इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हजारीबाग में निवास करनेवाले प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी, जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी, प्रखण्ड अध्यक्ष, प्रखण्ड सचिव, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य उपस्थित हुए !

श्रद्धांजलि सभा के इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा उपस्थित हुए ! कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वकर्मा समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिवेणी राणा ने किया तथा मंच संचालन विश्वकर्मा समाज के जिला महासचिव बृजलाल राणा ने किया ! विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू जी विश्वकर्मा समाज के गौरव थे ! पक्ष और विपक्ष सभी में लोकप्रिय थे पूर्व मंत्री स्व सुदिव्य कुमार सोनू और सभी के चहेते थे ! जीवन में संघर्ष करके साधारण कार्यकर्त्ता से और विधायक से झारखण्ड सरकार में मंत्री तक का सफर प्राप्त किया और बहुत कम समय में संसदीय ज्ञान प्राप्त कर लिए थे !

हजारीबाग परिसदन भवन सभागार में आयोजित पूर्व मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू जी की श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विश्वकर्मा समाज के प्रदेश सचिव अशोक राणा, प्रदेश संगठन सचिव उमेश राणा, जिला कोषाध्यक्ष निर्मल राणा, जिला सचेतक महावीर राणा, प्रो बसंत नारायण, राजेश शर्मा, विनोद राणा, किशोर राणा, सन्तोष राणा, महादेव विश्वकर्मा, विनोद राणा, मनोरमा राणा, कंचन शर्मा, बबीता देवी, अंजली देवी, सरिता देवी, रामलखन राणा, वकील राणा, विनय कुमार राणा, सोहर राणा, यादव राणा, अनुज राणा, किशोर राणा, बासुदेव राणा, सुरेश कुमार राणा, अनिल राणा, शंकर राणा, रामकुमार राणा, विशुनधारी राणा, योगेन्द्र कुमार राणा, बाबूलाल राणा, अशोक कुमार राणा, भुवनेश्वर राणा, अरुण राणा सहित अन्य लोग शामिल हुए !

बड़की चांपी में धूमधाम से मनेगा दुर्गा पूजा महोत्सव, सप्तमी से नवमी तक जागरण व झांकी

विजयादशमी पर होगा भव्य रावण दहन, पूजा की तैयारियों को लेकर दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित

बिभा ब्यूरो, अभिषेक कुमार

लोहरदगा। जिले के कुडू प्रखंड के बड़की चांपी में आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को भव्य, आकर्षक एवं भक्तिमय बनाने को लेकर केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति, बड़की चांपी के तत्वावधान में स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता ने की। बैठक में दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही पूजा महोत्सव को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर माता रानी का भव्य जागरण एवं आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान भजन गायकों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

वहीं, विजयादशमी के अवसर पर बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने पर जोर दिया।

बैठक में पूजा पंडाल निर्माण, आकर्षक विद्युत सज्जा, साफ-सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। आयोजन को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियों के निर्धारण तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर सहमति बनी। समिति की ओर से क्षेत्र के ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं से दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न कराने के लिए सहयोग की अपील की गई। समिति ने विश्वास जताया कि ग्रामीणों के सहयोग एवं सहभागिता से इस वर्ष बड़की चांपी का दुर्गा पूजा महोत्सव भव्य एवं यादगार बनेगा।

बालूमाथ सीओ ने तीन लोगों पर प्राथमिकी के लिए थाना प्रभारी को दिया आवेदन

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ। बालूमाथ के अंचल अधिकारी ने राजेन्द्र साव उनके पुत्र और अमोद कुमार के खिलाफ रंगदारी मांगने, जान से मारने की धमकी देने, ब्लैकमेलिंग करने तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बालूमाथ थाना प्रभारी को आवेदन दिया है।18 सितंबर 2026 को दिए आवेदन में अंचल अधिकारी ने आरोप लगाया है कि तीनों व्यक्तियों द्वारा उन्हें बार-बार जान से मारने की धमकी दी जा रही है तथा सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज कर बदनाम करने और उनके खिलाफ अफवाह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदन में कहा गया है कि रामनवमी 2026 के दौरान बालूमाथ के तीन अखाड़ों में विधि-व्यवस्था भंग करने एवं डीजे बजाने के मामले में उनके द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद से ही उन्हें कथित तौर पर धमकियां दी जा रही हैं।सीओ ने आरोप लगाया है कि राजेन्द्र साव द्वारा अंचल कार्यालय में गलत जमाबंदी कराने का दबाव बनाया गया। कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और पट्टा बंदोबस्ती के आधार पर जमाबंदी कराने की मांग पूरी नहीं होने पर 50 लाख रुपये रंगदारी मांगने और शिकायत नहीं मानने पर उन्हें जालसाजी के मामले में फंसाने की धमकी दी गई।आवेदन के अनुसार, राजेन्द्र साव के म्यूटेशन केस संख्या 1076/2025-26 एवं 1101/2025-26 अस्वीकृत होने के बाद अंचल कार्यालय में हंगामा किया गया। सीओ ने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कंप्यूटर कक्ष एवं क्लर्क कक्ष में हंगामे से संबंधित वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग पेन ड्राइव के माध्यम से साक्ष्य के रूप में थाना को उपलब्ध कराने की बात कही है।सीओ ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर न्यायोचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आवेदन में राजेन्द्र साव और विनोद कुमार पर भूमि के अवैध कारोबार तथा जाली दस्तावेजों के माध्यम से जमीन पर कब्जा करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। पुलिस की जांच और प्राथमिकी के बाद मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

भगत सिंह : शहादत की मिट्टी से महकता रहेगा वतन

योगेश कुमार गोयल

शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नहीं लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है।

युवा चेतना के अमर प्रेरणापुंज भगत सिंह... भारत को ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था। भारत के ऐसे ही सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जो केवल 23 वर्ष की अल्पायु में ही भारत को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और विचारधारा से देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया बल्कि लोगों में स्वतंत्रता और समानता का संदेश भी फैलाया। बहुत कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। उनके बलिदान और साहस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने एक ओर जहां अपनी देशभक्ति से विदेशी हुकूमत को घुटनों पर लाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता संघर्ष में अलग-अलग बंटे भारत को एक करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से पूरे भारत में स्वाधीनता की लहर और तेज हो गई थी।

28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती मनाई जा रही है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायपुर जिले में जन्मे भगत सिंह ने महज 11 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय कर लिया था। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में सभा के दौरान जो नरसंहार हुआ था, उसका भगत सिंह के दिलोदिमाग पर इतना गहरा असर पड़ा था कि उन्होंने तभी ठान लिया था कि वे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ेंगे। उसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की और देश को आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। फांसी के फंदे पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने नारा लगाया था 'इंकलाब जिंदाबाद', जो आज भी भारत में स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष का प्रतीक है। इस नारे ने उनकी शहादत के बाद लोगों में क्रांतिकारी भावनाओं को जगाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। अपने अंतिम क्षणों में

भगत सिंह ने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने देश के लिए मरने के लिए तैयार हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। वह प्रायः एक शेर गुनगुनाया करते थेः-

जब से सुना है मरने का नाम जिंदगी है,
सर पे कफन लपेटे कातिल को ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एक दिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर ही कुर्बान होगा। भगत सिंह ने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया। उसके बाद उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को राजगुरु के साथ मिलकर चंद्रशेखर आजाद की मदद से लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे जेपी सांडर्स को मार डाला।

8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड में मौजूद ब्रिटिश इंडिया की इमरजेंसी सेंट्रल असेंबली के सभागार में अंग्रेजी हुकूमत को जगाने के लिए बम और पर्चे फैंके और इसके जरिये आजादी की मांग की आवाज को हर देशवासी के कानों तक पहुंचा दिया। ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बम विस्फोट में भाग लेने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन जेल में अंग्रेजी हुकूमत की प्रताड़ना झेलने के बाद भी भगत सिंह ने आजादी की मांग को जारी रखा। उनका आंदोलन जेल की सलाखों के पीछे भी जारी रहा और उन्होंने कई लेख लिखकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे देश के जनमानस को जगाया। वह हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला और अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे, ऐसे में उन्होंने देशभर में आजादी की लड़ाई के लिए अपने संदेश पहुंचाने के प्रयास जारी रखे। अदालती कार्यवाही के दौरान जब कोर्ट में पत्रकार होते तो भगत सिंह आजादी की मांग को लेकर जोशीली बातें किया करते, जो प्रायः अगले दिन अखबारों के पहले पन्ने पर नजर आती, जिन्हें पढ़कर देश की आजादी के लिए हर नागरिक का खून खौल उठता। कैद की सजा के दौरान भगत सिंह के साथ ही उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव को भी अदालत ने 7 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा सुनाई और फांसी के लिए 24 मार्च 1931 के दिन को चुना गया लेकिन देशवासियों के आक्रोश से डरकर अंग्रेजों द्वारा एक दिन पहले ही 23 मार्च 1931 को उन्हें गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई।

अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में भगत सिंह ने वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी और उनके बलिदान ने भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके जीने के तरीके और विचारों से आज भी प्रत्येक भारतीय प्रेरणा लेता है और खासकर देश के नौजवानों को तो उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरित करता रहेगा। छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और अपने क्रांतिकारी विचारों तथा आदर्शों से युवाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है। किसी भी व्यक्ति को 'क्रांति' शब्द की व्याख्या शाब्दिक अर्थ में नहीं करनी चाहिए, जो लोग इसका दुरुपयोग करते हैं, वे अपने फायदे के हिसाब से इसे अलग अर्थ और मतलब दे देते हैं। कोई भी अत्याचारी साधारण व्यक्तियों को कुचलकर उनके विचारों को नहीं मार सकते। मैं दुनिया में न्याय और समानता देखना चाहता हूं। मैं भारत को एक स्वतंत्र और प्रगतिशील राष्ट्र बनाना चाहता हूं।' देशभक्ति, समानता और न्याय के लिए भगत सिंह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। भारत माता के वीर सपूत और महान क्रांतिकारी भगत सिंह को शहीद हुए आज भले ही 95 वर्ष से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी विचार हम सभी के जेहन में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे।

संपादकीय

वोट को लेकर जन-आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! 'राजनीतिक कॉकरोचों' ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर, 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से 'कानूनी छूट' दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेता इस संसदीय संशोधन को जानते होंगे! फिर भी नेता प्रतिपक्ष ने सीईसी को 'गद्दार' और 'देशद्रोही' करार दिया है। उनके इस्तीफे और 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष को यकीन है कि ऐसे 'अपराधी' को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित 'इंडिया ब्लॉक' संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, 'महाभियोग' प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी 'महाभियोग' का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है। यदि वोट से संसद, विधानसभा, सरकारें नहीं चुनी जा सकतीं, तो वोट ही बेमानी किया जा रहा है। जन-आंदोलन इस मताधिकार को हासिल करने और एसआईआर की आड़ में 'चुनावी साजिश' को पराजित करने को लेकर उग्र और देशव्यापी होगा। अब यह लोकतंत्र-समर्थक लामबंदी की ही अग्नि-परीक्षा है कि वे आम नागरिक को कितना समझा पाते हैं कि 'वोट चोरी' के जरिए चुनाव जीते जा रहे हैं? राहुल गांधी और विपक्षी नेता अभी तक 'वोट चोरी' के आरोप लगा रहे थे, लिहाजा उन्हें 'क्षुद्र राजनीति' माना जा रहा था। अब चुनाव आयोग के ही दो संवैधानिक चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सवालों से लगभग पुष्टि हो रही है कि 'वोट चोरी' ही नहीं, वोट देने का मौलिक अधिकार भी छीना जा रहा है। एक अभियान के तहत करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काट देना कोई सामान्य घटना नहीं है। गोवा जैसे छोटे-से राज्य का उदाहरण सार्वजनिक हुआ है कि 97 मतदाताओं के नाम और ब्यौरे 'सही' पाए गए, लेकिन राज्य का मुख्य चुनाव अधिकारी 8 बार ई-मेल कर और फोन पर ब्रीफ करने के बावजूद उन 97 नामों को मतदाता-सूची में जुड़वा नहीं सका। इसका स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया है। उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छिन गए, वे वोट नहीं दे सकेंगे, ऐसे लोकतंत्र का क्या करेंगे हम? यह कैसी प्रशासनिक और संवैधानिक व्यवस्था है कि राज्य के सीईओ की भी आयोग के आईटी सिस्टम तक पहुंच नहीं है! यकीनन अब यह मुद्दा प्रधानमंत्री मोदी तक भी जाएगा। मुद्दा यह नहीं है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश का चयन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 'असहमति' को किनारे कर दिया गया। सरकारें ऐसे ही काम करती हैं और चयन प्रधानमंत्री के स्तर पर ही होता रहा है। इसमें साजिश क्या है? चूंकि अब चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ बेनकाब हुआ है, किसी ने भी उसका खंडन नहीं किया है, किसी ने भी सफाई नहीं दी है या अदालत में उसे चुनौती दी है, अंततः सीईसी ज्ञानेश को ही 'खलनायक' माना जा रहा है। यदि देश भर में जन-आंदोलन फैलता है, तो प्रधानमंत्री कब तक सीईसी को बचा पाएंगे? यह भाजपा-कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई नहीं है, देश के आम नागरिक के मताधिकार का सवाल है और यह राष्ट्रीय सरोकार का मुद्दा बन सकता है। विपक्ष का गंभीर आरोप है कि केंद्र तथा कई राज्यों में सरकार निर्माण में चुनाव आयोग की भूमिका पक्षपातपूर्ण रही है। अगर यहां पर निष्पक्ष रूप से चुनाव करवाए जाते, तो निश्चय ही भाजपा की सरकारें न बनतीं। राहुल गांधी का मानना है कि इन जगहों पर दोबारा से निष्पक्ष चुनाव करवाए जाने चाहिएं। उनकी यह भी मागं है कि इस मसले को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त को सरकारी गवाह बनना चाहिए। कांग्रेस कई राज्यों में इस मसले को लेकर आंदोलन शुरू करने जा रही है। शायद केंद्र पर कुछ दबाव बने।

सूक्ति

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

यदि दूसरों से अपने प्रतिकूल नहीं चाहते हो तो अपने मन को दूसरों के प्रतिकूल कामों से हटा लो। - अज्ञात

कितना जायज हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

आम जन की समस्याओं से विमुख विपक्ष इस बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुखर हो उठा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोट काटने के लिए सत्ता पक्ष के साथ खुलकर मिला हुआ है।इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने देश के अलग-अलग हिस्सों और राज्यों में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर देशव्यापी प्रदर्शन व विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

उधर चुनाव आयोग ने अपने ऊपर लगे इन तमाम आरोपों और आंतरिक कलह की खबरों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि प्रशासनिक बैठकों में अलग-अलग नोट्स और सुझाव दर्ज होना एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर और अन्य सभी चुनावी फैसले पूरी सहमति व कानूनी प्रावधानों के तहत ही लिए गए हैं। आपको बता दें कि हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक की खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित रूप से आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन में उन फैसलों और आदेशों को लेकर दर्ज की गईं, जिनकी जानकारी उन्हें नहीं थी। विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, आयोग के सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। किसी भी संस्थान में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। तीनों आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह अधिकृत है।

यहां गौरतलब है कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसकी शुरूआत जून 2025 में बिहार से हुई थी। इस दौरान चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी कराए जिनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का एसआईआर नहीं कराया गया। एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

आपको पता रहे कि कांग्रेस ने इस विवाद को ज्ञानेशगेट करार दिया जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न धड़ों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के महाभियोग और एसआईआर से पहले मौजूद मतदाता सूची के आधार पर पश्चिम बंगाल में नए विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को कमतर बताते हुए इसे शुद्ध लोकतंत्र का प्रतिबिंब बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग ने वोट चोरी कर देशद्रोह किया है और न्याय होकर रहेगा। गांधी ने कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ अपराध और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल किया कि क्या राज्यसभा के सभापति अब 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दिए गए नोटिस पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को अभी तक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं किया गया है।

इधर इस मुद्दे पर भाजपा का भी वर्जन आया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि आधिकारिक विचार-विमर्श के दौरान चुनाव आयुक्तों द्वारा अलग-अलग मत व्यक्त किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट शुद्ध लोकतंत्र को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और विचारों का आदान प्रदान नहीं करते तो विपक्षी दल उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाते। निर्वाचन आयोग के कामकाज को नियंत्रित करने वाला कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत से होने चाहिएं। टीएन शेषन मामले (1995) में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का समर्थन किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त न तो सम्राट हैं और न ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों से ऊपर कोई प्राधिकारी। वह आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन सभी सदस्यों के पास निर्णय लेने के समान अधिकार होते हैं।

चुनाव आयुक्तों में असहमति को लेकर इतना हंगामा लोकतांत्रिक दृष्टि से ठीक नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति का विशेष महत्व है। संसद में सांसद एक-दूसरे के विचारों से असहमत होते हैं। इसी तरह विधानसभाओं और नगर निगमों से लेकर पंचायतों तक में विभिन्न मुद्दों पर हर माननीय की अपनी राय होती है। देश के सर्वोच्च न्यायालय में माननीय न्यायधीशों की अपनी अलग-अलग राय होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त से संबंधित कानून को लेकर दो जजों की पीठ में मतभेद का समाचार सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों में विचारों को लेकर मतभेद के समाचार तो आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते हैं, इसके बाद जब निर्णय बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया जाता है तो असहमति वाला पक्ष पर्दे के पीछे चला जाता है।

चुनाव आयुक्तों में असहमति एक स्वाभाविक व लोकतांत्रिक बात है। कानून की दृष्टि से भी हर आयुक्त को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है, लेकिन फैसला बहुमत या सर्वसम्मति से जो होता है वही मान्य होता है। चुनाव आयुक्तों के आपसी मतभेद तब तक ही महत्व रखते हैं जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता है। निर्णय चाहे बहुमत से आये या सर्वसम्मति से मान्य तो वो ही होगा। विरोध के लिए विरोध लोकतंत्र के हित में नहीं।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, 'मैं और केवल मैं' किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अतः परिवार में 'डबल इनकम नो किड्ज' (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है।

आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, जीवन के अपने अंतिम पलों को सहज बनाने के उद्देश्य से भारत में शिफ्ट हो रहे हैं। भारत की अध्यात्म नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि स्थानों पर विकसित देशों के नागरिकों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। क्योंकि, भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हो रही है। पहिले तो ये विदेशी नागरिक योगा एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं परंतु यहां आने के उपरांत उन्हें जो आत्मिक शांति प्राप्त होती है, उसके चलते ये लोग भारत में ही बस जाते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।
श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमिा श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमिा श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुय अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं या हैं वे नियम

श्राद्ध कर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निन नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि–विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट–वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

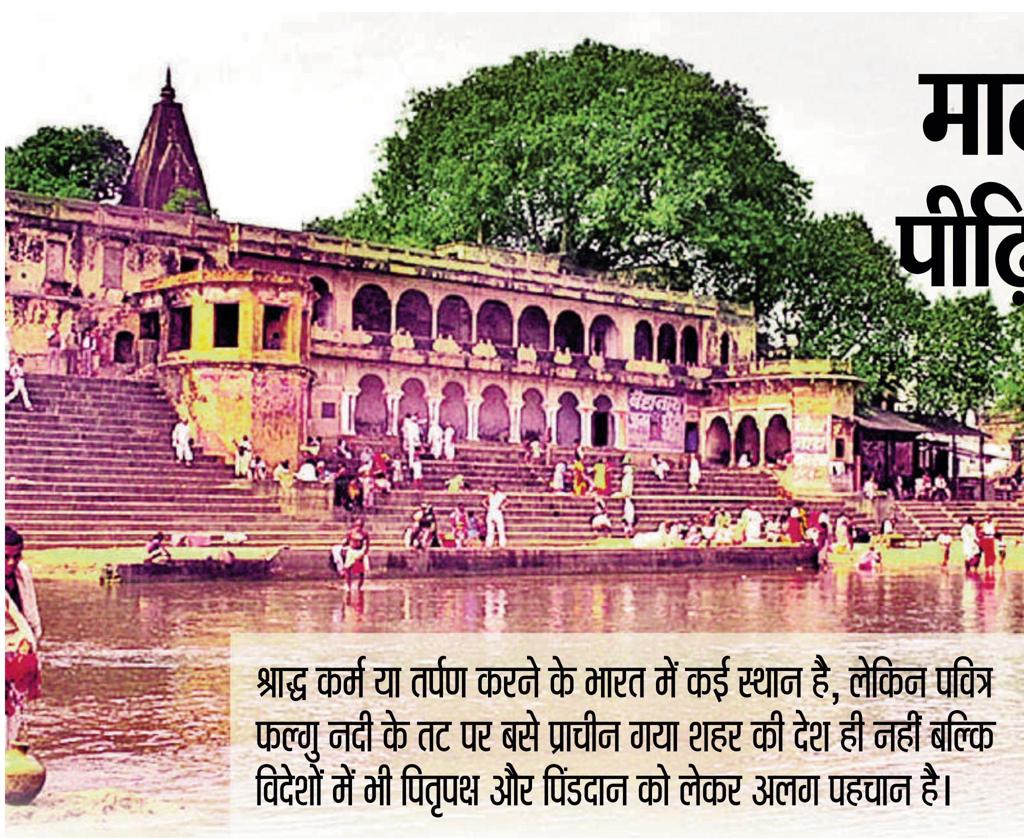

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता–पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग–जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

पंजाब में पराली जलाने के शुरुआती 40 मामले, प्रशासन सख्त

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। 26 सितंबर तक वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी में कुल 40 मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सैटेलाइट और प्रोटोकॉल रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में पराली जलाने की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 4 खेतों में मौके पर आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए। कुल 28 खेतों के भौतिक निरीक्षण में 12 स्थानों पर पराली जलती मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। फिरोजपुर (15,000 रुपये), तरनतारन (10,000 रुपये) और अमृतसर (5,000 रुपये) पर प्रमुख जुर्माने लगाए गए हैं। पटियाला जिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, 5 मामलों में जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं कर्तव्य में कोताही बरतने वाले फिरोजपुर जिले के 4 नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसके बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार जारी हैं।

फगवाड़ा में दुष्कर्म की अफवाह पर छात्रों ने कॉलेज के शीशे और गमले तोड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के फगवाड़ा में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक छात्रा से फर्जी दुष्कर्म की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शनिवार प्रदर्शन किया और परिसर में तोड़फोड़ की। कपूरथला के वरिष्ठ एसएसपी ने कहा कि पुलिस को इस तरह के किसी अपराध की जानकारी नहीं है। वायरल वीडियो में छात्र खिड़कियों के शीशे एवं गमले तोड़ते और कुछ वस्तुओं में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बाधित किया। इन अफवाहों के कारण छात्र यहां एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि हमने छात्रों से बात की। उन्हें एलपीयू प्रशासन से कुछ शिकायतें हैं। हमने उनकी बात सुनी है और उनका समाधान कराने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। एसएसपी ने कहा कि संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायतों का उचित समाधान नहीं किया जाता। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? पुलिस फायरिंग बरसी को लेकर भड़के वांगचुक

लद्दाख (एजेंसी)। 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा और पुलिस फायरिंग की पहली बरसी पर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मीडिया कवरेज, हिंसा की न्यायिक जांच, पीड़ितों के मुआवजे और खुद पर लगाए गए एनएसए के तहत कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। बता दें 24 सितंबर को लद्दाख के कई हिस्सों में बंद रहा और इस दिन को कुछ लोगों ने शहीद दिवस के तौर पर मनाया। पिछले साल हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि 27 सितंबर को पिछले साल वह जोधपुर की जेल में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उन्हें पता चला था कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने 24 सितंबर को लद्दाख में मनाए गए शहीद दिवस का जिक्र करते हुए मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जब लद्दाख में शहीद दिवस मनाया जा रहा था, तब मीडिया ब्लैकआउट जैसा माहौल था। उन्होंने कहा कि 24 सितंबर को कई मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि वहां नहीं पहुंचे। वांगचुक ने सवाल किया कि क्या मीडिया को किसी खबर को दिखाने से रोका जाता है? उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रमुखों से पूछा कि लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

दो करोड़ की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार, एडिशनल एसपी भी हिरासत में

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बिचौलिये को दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी ने इस मामले में एसओजी उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी को भी हिरासत में लिया है। एसीबी के महानिदेशक ने शनिवार देर रात जारी बयान में बताया कि आरोपी बिचौलिये की पहचान सज्जन सिंह उर्फ टाटला के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सज्जन सिंह एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए यह रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी कि उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े चर्चित मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों को दर्ज मुकदमों में राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान उनके घरों से मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के बदले दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का ओवैसी पर हमला: देश में फिर पैदा हो गए हैं जिन्ना

राहुल-सोनिया गांधी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली , एजेंसी।
चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) के मुद्दे पर छिड़े सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने ओवैसी द्वारा एसआईआर पर सवाल उठाने पर कड़ा ऐतराज जताकर कहा कि देश में एक बार फिर से जिन्ना पैदा हो गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर संविधान में आस्था न रखने का आरोप लगाकर कहा कि बैरिस्टर होने के बावजूद वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि यदि इन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, तब क्या देश में शरिया कानून लागू कर दिया जाए?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर हमला बोलकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने दावा किया कि गांधी-नेहरू परिवार पीएम मोदी को इसलिए नहीं पचा पा रहा है क्योंकि वह एक गरीब का बेटा हैं। चुनाव हारने के बाद विपक्ष द्वारा वोट चोरी और ईवीएम पर सवाल उठाने की संस्कृति पर नाराजगी जताकर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जीतती है, तब चुनाव सही होते हैं और हारने पर वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप मढ़ने लगती है। सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर भी उन्होंने पुराना सवाल दोहराया।

इस बीच, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। एक तरफ जहां विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद होकर चुनाव आयोग और सरकार को घेर रहा है, वहीं बीजेपी के तमाम नेता इसका पुरजोर बचाव कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हार की बौखलाहट में बहाने बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर हो रहे विरोध को राजनीति से प्रेरित और अफवाह करार दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और अधिक तूल पकड़ सकता है, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और गहराने के पूरे आसार हैं।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

रांका की गिरफ्तारी पर गहराया विवाद: सीजेपी ने सीएम हिमंत को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को खुली चुनौती दी है। यह चुनौती सीजेपी सदस्य आशुतोष रांका और उनकी टीम को गुवाहाटी में हिरासत में लेने के बाद सामने आई है। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि आशुतोष को रिहा नहीं किया गया, तब सीजेपी के सभी सदस्य असम जाएंगे और मुख्यमंत्री उन सभी को गिरफ्तार कर सकते हैं।

सीजेपी सदस्य रांका को उनकी टीम के साथ गुवाहाटी में एक निजी घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें अभी तक गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया है। रांका ने हिरासत के दौरान दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा डरे हुए हैं, क्योंकि सीजेपी असम के स्कूलों की वास्तविक स्थिति और काजीरंगा में लोगों के अधिकार छीनकर कॉर्पोरेट्स को जमीन, जंगल और पानी सौंपने जैसे मुद्दों को उजागर करना चाहती है। रांका ने वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि सीएम असम विधानसभा चुनावों में हुई कथित धांधली से भयभीत हैं, जिसमें सीटों की सीमाएं बदलकर और नागरिकों को मतदाता सूची से हटाकर हेरफेर हुआ था।

दीपके ने मुख्यमंत्री सरमा पर सीधा हमला कर कहा कि आशुतोष को बिना किसी आरोप के उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर रांका को जल्द रिहा नहीं किया गया, तब वह और सीजेपी के अन्य सदस्य असम आएंगे और सीएम के पास उन सभी को गिरफ्तार करने का विकल्प होगा। सीजेपी नेताओं का दावा है कि उन्हें गुवाहाटी में एक स्वयंसेवक बैठक आयोजित करने से रोका गया था।

रांका ने पुलिस के साथ चलती गाड़ी से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, मुख्यमंत्री सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम उनकी आवाज़ दबाना चाहते हैं क्योंकि वे असम की वास्तविकताओं को सामने लाने से डरते हैं, खासकर शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय लोगों के अधिकारों के हनन के संबंध में। रांका ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की यह कार्रवाई उनके डर को दर्शाती है कि देश को असम की सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।

ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।

मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भष्ट्राचार पर चेतावनी.....तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी। इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

राहुल गांधी हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते हैं बीजेपी को फायदा होता है

-इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने साधा निशाना

आगर मालवा, एजेंसी।
राहुल गांधी हाल में इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। अब प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस कार्यक्रम और राहुल गांधी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने सुसनेर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में हमारी मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए एक रैपर को बुला लिया, खूब जेन-जी किया, फोकट की कॉमेडी की, खूब डांस किया। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने कहा क्या जरूरत है इन सबकी। आपके नेता को खड़ा कर दो, उनके नेता ऐसे ही हैं, जहां खड़ा कर दो वहां भीड़ लग जाती है। लोग सुनना चाहते कि पता नहीं कब किधर से आलू डाले और सोना निकाल दे।

उन्होंने कहा कि मुझसे पूछा कि राहुल गांधी आ रहे है, तो मैंने कहा कि इससे तो हमारा फायदा होगा, वो तो हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते है वहा बीजेपी को फायदा होता है। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ये कांग्रेस वाले पैसा कहां से लाएंगे। भाई ये कांग्रेस वाले क्या धंधा करते हैं? मुझसे ज्यादा आप जानते हैं। विजयवर्गीय ने सुसनेर से कांग्रेस के विधायक पर भी तंज कसते हुए घंटी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजयवर्गीय ने कहा कि आपके यहां के विधायक बड़े व्यवहारिक हैं। मेरे पास आते है और कहते हैं कि ये काम है, वो काम है। मैं उनकी हां में हां मिलाता हूं। कभी ना नहीं करता। उन्हें कड़क मीठी चाय पिलाता हूं। अगर उनका उम्मीदवार जीतेगा तो कागज लाएंगे तो में सब कागज रख लूंगा और जाते-जाते एक बॉक्स दूंगा की उसे सुसनेर जाकर खोलना। वहीं बीजेपी का प्रत्याशी प्रदीप जीता और यह आया तो सभी कागज तुरंत मंजूर कर दूंगा और ये कांग्रेस से जीतकर आएगा। सुसनेर आकर बॉक्स खोलेगा तो उसमें मिलेगी घंटी, अब आप देख लो कि आपको विकास करना है कि घंटी बजवाना है।

युद्ध के बदलते स्वरूप के साथ हमारी सोच भी बदलनी होगी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी।
थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार बनाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रखे और बदलती जरूरतों के अनुसार इस बदलाव में ढाल सके। बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता विषय पर उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है, इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता पर हमारी सोच को लगातार बदलना होगा।

जनरल सेठ ने आज के युद्धों को रुक-रुक कर होने वाले युद्ध बताया, जिनकी 1971 के युद्ध की तरह कोई स्पष्ट समाप्ति नहीं होती। उन्होंने समझाया कि सैन्य क्षमताएं तैयार करने में वर्षों लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदलती है। इसके बाद चुनौती सिर्फ स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वे आधुनिक और उपयोगी बने रहें।

सेना प्रमुख ने भारत की विविध भौगोलिक परिस्थितियों का जिक्र कर कहा कि हमारी सैन्य क्षमताएं देश की अपनी जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि कुछ सौ डॉलर के ड्रोन लाखों डॉलर के महंगे सैन्य प्लेटफार्मों के लिए खतरा बन सकते हैं। चूंकि तकनीक अब व्यापक रूप से उपलब्ध है, असली बढ़त इस बात से मिलेगी कि हम विरोधी से कितनी तेजी से नए समाधान खोजते हैं और खुद को बदलते हैं। उन्होंने पुरानी सैन्य प्रणालियों को जल्दबाजी में बेकार मानने के प्रति भी आगाह किया, क्योंकि आधुनिक सेंसर से लैस होकर वे ड्रोन जैसे नए खतरों के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। जनरल सेठ ने दूर से मार करने और जमीन पर सीधे युद्ध करने, दोनों क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि जमीन पर नियंत्रण अंततः सैनिक ही स्थापित करता है।

एसआईआर को लेकर लिया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे?

ओवैसी ने उठाए सवाल- चुनाव आयोग के फैसले किस तरह लिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी।
हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर मतदाता सूची के एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर के खिलाफ रहे हैं और इसे बैकडोर एनआरसी मानते हैं। ओवैसी ने चुनाव आयोग के भीतर फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

हैदराबाद में ओवैसी ने कहा कि मैं शुरू से एसआईआर का विरोध करता रहा हूं। मेरा मानना है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे? सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। ओवैसी ने हाल में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आयोग के फैसले किस तरह लिए गए। उन्होंने कहा कि देश को बताया जाना चाहिए कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए? ओवैसी ने दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज आपत्तियों का जिक्र करते हुए पूछा कि अगर कुछ फैसले बहुमत के आधार पर नहीं हुए तो उनकी कानूनी स्थिति क्या होगी?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर अलग-अलग मुद्दों को लेकर रिकॉर्ड पर आपत्तियां दर्ज की थीं। हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि सदस्यों की टिप्पणियां और अलग-अलग राय विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं और अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। ओवैसी ने एसआईआर की प्रक्रिया से गरीबों को परेशानी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों को दस्तावेज खोजने के लिए इधर-उधर भागना पड़ रहा है।

ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की मौजूदा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब इससे जुड़ा विधेयक संसद में आया था, तभी उन्होंने इसकी विश्वसनीयता को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने तेलंगाना में एसआईआर की व्यावहारिक दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में एनआरसी नहीं हुआ और स्थायी निवास प्रमाणपत्र की व्यवस्था भी नहीं रही है। ऐसे में लोगों से पुराने रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगने से परेशानी बढ़ सकती है। ओवैसी ने प्रक्रिया को ऑनलाइन किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ बीएलओ को घर-घर जाकर नोटिस देने और दस्तावेज लेने हैं, दूसरी तरफ बड़ी संख्या में मामलों को ऑनलाइन संभालना है। उनके मुताबिक इतने बड़े स्तर पर इस प्रक्रिया को पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी इससे पहले भी एसआईआर को बैकडोर एनआरसी बताते हुए नागरिकों से दस्तावेज मांगने और नाम छूटने की आशंका को लेकर सवाल उठा चुके हैं।

कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव में झारखंड की कला-संस्कृति की दिखी झलक

राजमहल विधायक एमटी राजा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत की झारखंड की जनजातीय विरासत और हस्तशिल्प

बिभा संवाददाता

राजमहल । कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव के दौरान झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति और जनजातीय विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर राजमहल विधायक एमटी राजा ने झारखंड की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, वस्त्र और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े उत्पादों को प्रस्तुत कर राज्य की विविध सांस्कृतिक विरासत से देश-विदेश से पहुंचे लोगों को परिचित कराया। प्रदर्शनी में झारखंड की पहचान से जुड़े पलाश उत्पाद, झारखंडी बांस शिल्प, प्रसिद्ध सोहराय-कोहबर चित्रकला, तसर सिल्क की साड़ियां, टुमका चादर, कुचाई सिल्क और पेंचो साड़ी सहित विभिन्न पारंपरिक हस्तशिल्प एवं वस्त्र आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं विधायक एमटी राजा ने कहा कि झारखंड की जनजातीय कला, लोक परंपराएं और हस्तशिल्प राज्य की विशिष्ट पहचान हैं। इन कलाओं में पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं के साथ स्थानीय कलाकारों और कारीगरों की मेहनत भी झलकती है। ऐसे मंचों के माध्यम से झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक स्तर पर पहचान मिल सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव जैसे मंच झारखंड के कलाकारों, बुनकरों और हस्तशिल्पकारों को नए बाजार और संभावित अवसरों से जोड़ने में सहायक हो सकते हैं। इससे पारंपरिक कला और शिल्प को संरक्षण मिलने के साथ स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। महोत्सव में झारखंड के पारंपरिक उत्पादों और कलाकृतियों को देखने के लिए देश-विदेश से पहुंचे पर्यटकों में विशेष रुचि देखी गई। आगंतुकों ने झारखंड की कला एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना की।

26 बोटा सेमल लकड़ी लदा बोलेरो पिकअप जब्त, चालक फरार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। वन क्षेत्र बरहेट के बिचकानी गांव के समीप वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 26 बोटा सेमल लकड़ी लदे एक बोलेरो पिकअप वाहन को जब्त किया है। कार्रवाई शनिवार की रात करीब 11 बजे गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को सूचना मिली थी कि जंगल से अवैध रूप से लकड़ी काटकर वाहन के माध्यम से ले जाई जा रही है। सूचना पर प्रधान वनरक्षी अमित कुमार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने बिचकानी गांव के पास घेराबंदी कर जांच अभियान चलाया। टीम को देखते ही वाहन चालक पिकअप छोड़कर मौके से फरार हो गया। वनकर्मियों ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें 26 बोटा सेमल की लकड़ी लदी मिली। वाहन पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। टीम ने लकड़ी सहित बोलेरो पिकअप को जब्त कर विभागीय अभिरक्षा में ले लिया। वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लकड़ी की अवैध कटाई और परिवहन में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। आरोपितों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। अभियान में वनकर्मी शेखर कुमार, भोला कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। वन विभाग ने कहा कि वन क्षेत्र में अवैध पातन और लकड़ी के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

पर्यटन स्थलों पर चला विशेष स्वच्छता अभियान, जल सहियाओं ने संभाली सफाई की कमान

साहेबगंज (बिभा)। पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले के प्रमुख पर्यटन एवं विरासत स्थलों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से रविवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहेबगंज के नेतृत्व में आयोजित अभियान में जल सहियाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं अभियान के दौरान मोती झरना, फॉसिल्स पार्क मंडरो, सिंगी दालान, कन्हैया स्थान, उधवा लेक बर्ड सेंक्चुरी और शिवगादी धाम सहित जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई की गई। साथ ही पर्यटकों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए पर्यटन स्थलों पर कूड़ा-कचरा नहीं फैलाने तथा उसका उचित प्रबंधन करने की अपील की गई। साहेबगंज जिले में प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले कई पर्यटन स्थल हैं। अभियान के दौरान अधिकारियों ने कहा कि इन स्थलों की स्वच्छता केवल सुंदरता बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण से भी जुड़ी है। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के नेतृत्व में चले अभियान को नमामि गंगे, वन विभाग एवं पर्यटन विभाग का सहयोग मिला। विभिन्न विभागों के कर्मियों और जल सहियाओं ने मिलकर स्वच्छता गतिविधियों में हिस्सा लिया। जल सहियाओं की भागीदारी से अभियान को जनभागीदारी का रूप मिला। उनके माध्यम से स्वच्छता का संदेश स्थानीय समुदायों तक पहुंचाया गया। अभियान के माध्यम से लोगों से अपील की गई कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखना प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय लोगों, पर्यटकों और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

विश्व पर्यटन दिवस पर बाबा चुटोनाथ परिसर में श्रमदान, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत दिया गया स्वच्छता का संदेश

दुमका(बिभा): विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार, 27 सितंबर को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02, दुमका के तत्वावधान में जामा प्रखंड अंतर्गत प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन स्थल बाबा चुटोनाथ धाम एवं चुटोनाथ पार्क परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभाग के अधिकारियों, कर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर पूरे परिसर में सघन साफ-सफाई की। कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक ने उपस्थित ग्रामीणों, श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों से चुटोनाथ धाम को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में जनसहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यटन व धार्मिक स्थलों की स्वच्छता केवल प्रशासन के भरोसे संभव नहीं है, बल्कि यह हर आगंतुक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने परिसर में जगह-जगह चार स्तरीय कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करने और जल संरक्षण के उपायों को अपनाने पर जोर दिया, ताकि चुटोनाथ को एक आदर्श एवं स्वच्छ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके। समारोह में वक्ताओं ने 'स्वच्छता ही पर्यटन का असली श्रृंगार है' का संदेश देते हुए लोगों से अपील की कि वे इधर-उधर कचरा न फेंकें और चिन्हित कूड़ेदानों का ही उपयोग करें। स्वच्छ वातावरण से जहां पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव मिलता है, वहीं स्थानीय स्तर पर धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलती है। इस विशेष अभियान में प्रखंड वास समन्वयक, बड़ी संख्या में जल सहिया, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों तथा स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया। सभी उपस्थित लोगों ने पर्यटन स्थल को प्लास्टिक मुक्त रखने और नियमित रूप से स्वच्छता अभियान में योगदान देने का संकल्प लिया।

पितृपक्ष के पहले दिन दामोदर घाट पर लोगों ने किया तर्पण

रामगढ़(बिभा)। पितृपक्ष के पहले दिन यानी आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर रविवार को रामगढ़ के दामोदर नदी घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पितरों के निमित्त तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए सैकड़ों यजमान दामोदर घाट पहुंचे। पंडित सुशांत कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में यजमानों ने विधि-विधान के साथ अपने पितरों का तर्पण किया। यजमानों ने सबसे पहले दामोदर नदी में स्नान कर शुद्ध होकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके संकल्प लिया। इसके बाद शास्त्रोक्त विधि से चावल, जौ और तिल के माध्यम से विभिन्न दिशाओं की ओर मुख करके पितरों का तर्पण किया गया। अंत में काले तिल के साथ पितरों को तर्पण अर्पित कर उनकी प्रसन्नता, शांति और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। पंडित सुशांत कुमार पांडेय ने बताया कि पितृपक्ष में तर्पण को पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष अनुष्ठान माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार विधिपूर्वक तर्पण कर पितरों के आशीर्वाद की कामना की जाती है और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की जाती है।

63 केवीए ट्रांसफार्मर के पुर्जे चोरी कर कबाड़ दुकान में रखे थे, आरपीएफ ने एक को दबोचा

बिभा संवाददाता

बरहरवा। बरहरवा-बनिदांगा रेलखंड में ईस्ट रिले हट को विद्युत आपूर्ति देने वाले 63 केवीए ट्रांसफार्मर के महत्वपूर्ण पुर्जों की चोरी का आरपीएफ ने खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ने छापेमारी कर कबाड़ दुकान से ट्रांसफार्मर के विभिन्न पुर्जे और नकदी बरामद की है। मामले में अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 25 सितंबर को करीब 12:35 बजे जेई/इलेक्ट्रिकल/बरहरवा कुमार राज ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा को सूचना दी कि ट्रांसफार्मर सीरियल नंबर 2278/13-14, 63 केवीए, अपने निर्धारित स्थान से गिरा हुआ है। यह ट्रांसफार्मर बरहरवा- बनिदांगा सेक्शन में टीआरडी मास्ट लोकेशन संख्या 270/ 40-42 के बीच स्थापित था। जांच में पाया गया कि ट्रांसफार्मर की मुख्य बॉडी तो मौके पर थी, लेकिन उसके महत्वपूर्ण पुर्जे और सामग्री गायब थे। सूचना पर आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में एसआई लाल बहादुर मांझी, कांस्टेबल अनिल कुमार साह व अजय कुमार तथा जेई कुमार राज घटनास्थल पर पहुंचे। संयुक्त निरीक्षण में ट्रांसफार्मर के पुर्जे चोरी किए जाने की पुष्टि हुई। विद्युत विभाग की ओर से संयुक्त निरीक्षण नोट भी तैयार किया गया। ट्रांसफार्मर की अनुमानित कीमत करीब 1.51 लाख रुपये बताई गई, जबकि गायब कॉपर व अन्य सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 21 हजार रुपये आंका गया। इसके बाद चोरी गई रेलवे सामग्री की बरामदगी के लिए आरपीएफ ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर मेहदीडांगा स्थित मुनिया होटल के पास एक स्क्रैप- कम- शॉप में छापेमारी की। तलाशी के दौरान दुकान से ट्रांसफार्मर के तीन बेस/बॉडी पार्ट्स, 16 ब्लेड/सेल पार्ट्स और 18 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में बरामद पुर्जों को उक्त 63 केवीए ट्रांसफार्मर से संबंधित पाया गया। छापेमारी के दौरान दुकान में अखलाख हुसैन, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी शुकवारसानी, मिजार्पुर, गणेशपुर, थाना बरहरवा मौजूद मिला। पूछताछ में उसने बताया कि दुकान उसके ससुर जलाउद्दीन शेख उर्फ जल्ला की है और वह अपने साले हसीबुल रहमान तथा मिस्टर शेख के साथ दुकान के संचालन में मदद करता है। पूछताछ के दौरान उसने चोरी की सामग्री की जानकारी होने की बात स्वीकार की। आरपीएफ के अनुसार पूछताछ के दौरान अखलाख ने मौके से भागने का प्रयास भी किया, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। उसने बताया कि हसीबुल रहमान भी दुकान पर मौजूद था और आरपीएफ को देखकर भाग गया। दुकान मालिक जलाउद्दीन शेख उर्फ जल्ला और हसीबुल रहमान को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन दोनों मौके पर उपस्थित नहीं हुए। वहीं आरपीएफ ने गवाहों की मौजूदगी में बरामद ट्रांसफार्मर के पुर्जों को विधिवत जब्त कर लिया। वहीं अखलाख हुसैन को रेलवे सामग्री के अवैध कब्जे के आरोप में आरपी(यूपी) एक्ट, 1966 की धारा 3(ए) के तहत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित और जब्त सामग्री को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। जेई कुमार राज की लिखित शिकायत के आधार पर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा में केस संख्या 02/2026, दिनांक 25 सितंबर 2026 को आरपी(यूपी) एक्ट की धारा 3(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया। 26 सितंबर को गिरफ्तार आरोपित को रेलवे जुडिशियल मजिस्ट्रेट, साहिबगंज के न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आरपीएफ की कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस नेताओं ने मंत्री दीपिका से मिलकर जताया शोक

रांची। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भंवर जितेंद्र सिंह, सुप्रिया श्रीनेत, कनिष्क सिंह, देवेंद्र यादव, परेश धनानी, अजय शर्मा, आदेश रावल, प्रणव झा एवं मेघना पटेल ने रविवार को दिल्ली से रांची पहुंचकर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के आवास पर उनसे मुलाकात की। पार्टी नेताओं ने उनकी पुत्री के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त की। मौके पर कांग्रेस नेताओं ने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और उनके पूरे परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि पुत्री को खोने का यह असहनीय दुख शब्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता। इस कठिन और पीड़ादायक समय में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है। नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान माहौल अत्यंत भावुक रहा और कांग्रेस नेताओं ने परिवार को ढांढस बंधाया।

हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर जोर

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल शहर के काशिम बाजार में रविवार को हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। पूजा-अर्चना के बाद आयोजित समारोह में मंच के पदाधिकारियों, कार्यकताओं के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मंच का उद्देश्य सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसके साथ ही समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां संचालित करने की बात कही गई। समारोह के दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों और कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा तथा संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विजय घोष, केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष, श्रीराम सहा, प्रमोद जैन, गौरव गुप्ता, श्रीराम शाह, निखिल यादव, मणिकांत ठाकुर, अभी यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

पतौड़ा झील परिसर में जल सहियाओं ने चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान

बिभा संवाददाता

उधवा । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पूर्व रविवार को रामसर साइट सह पतौड़ा झील परिसर में स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत व्यापक स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार 17 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के तहत जल सहियाओं ने झील परिसर में साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छता में सहभागिता स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखी गई है। कार्यक्रम के दौरान जल सहियाओं ने पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों से पर्यटन स्थलों को साफ-सुथरा रखने, कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की भागीदारी बढ़ाना, सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करना तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इसके अलावा जल सहिया दीदियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोहिया भवन परिसर में पौधरोपण किया। पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मास्टर जलसहिया एवं जल सहियाओं ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली और लोगों को स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। मौके पर मास्टर जल सहिया असनारा बीवी, क्षमा चौधरी, मेनका दास, रूपाली मंडल के अलावा जल सहिया रिजवाना खातून, अक्लिमा बीवी, साहिबा खातून, मुखलेसा बीवी, सरोज टुडू, वहीदा खातून, मुन्नी बासकी सहित अन्य मौजूद थे।

16 लाख के बजट से सजेगा पूर्वांचल दुर्गा पूजा का आयोजन, 100 फीट ऊंचा जगन्नाथ मंदिरनुमा पंडाल बनेगा आकर्षण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साक्षरता चौक काटरगंज स्थित पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति की बैठक रविवार को मंदिर परिसर में हुई। बैठक में आगामी दुर्गापूजा के आयोजन को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई और पूजा संचालन के लिए समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से विमल यादव और अखिलेश यादव को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं समिति के अध्यक्ष विमल यादव ने बताया कि यहां वर्ष 1989 से दुर्गापूजा का आयोजन होता आ रहा है। इस बार भी पूजा को भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। विशेष आकर्षण के रूप में ओडिशा के पुरी स्थित प्रभु जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर करीब 100 फीट ऊंचा पंडाल तैयार कराया जा रहा है। इसके साथ आकर्षक विद्युत सज्जा और मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी। पूजा के साथ मेला भी आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग की व्यवस्था, दुकानदारों के लिए निर्धारित स्थान, निगरानी समिति और मेला व्यवस्थापक की तैनाती की जाएगी। पंडाल परिसर में साफ- सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। समिति ने कहा कि दर्शन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। वहीं विसर्जन को लेकर भी समिति ने विशेष तैयारी की है। विसर्जन जुलूस को भव्य रूप देने के साथ सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं कोषाध्यक्ष अवधेश यादव के अनुसार इस वर्ष पूजा आयोजन का अनुमानित बजट 16 लाख रुपये रखा गया है। इसमें करीब छह लाख रुपये पंडाल, पांच लाख रुपये विद्युत सजावट, एक लाख रुपये प्रतिमा निर्माण और एक लाख रुपये पूजन सामग्री व भोग पर खर्च होंगे। शेष राशि विसर्जन, साज-सज्जा और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च की जाएगी। वहीं उपाध्यक्ष के रूप में अंतेश यादव, केदार यादव, प्रमोद यादव, धर्मेंद्र यादव, रामदेव यादव, सुनील यादव, अजगैबी यादव व धीरेन यादव समेत अन्य सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई। सचिव पद की जिम्मेदारी वीरेंद्र यादव, गौरव यादव, कमलेश यादव और रामाकांत यादव को सौंपी गई। वहीं उपसचिव, कोषाध्यक्ष और उपकोषाध्यक्ष समेत अन्य पदों पर भी सदस्यों का चयन किया गया।

दुमका में बेखौफ चोरों का आतंक, चोरों ने ग्रिल काटकर उड़ाए डेढ़ लाख नकद, सोने की अंगूठियां और एलईडी टीवी

बिभा संवाददाता

दुमका : नगर थाना क्षेत्र के दुधानी शास्त्री नगर में शनिवार रात चोरों ने सेवानिवृत्त शिक्षक पारस नाथ उपाध्याय के घर को निशाना बनाया। चोर खिड़की की ग्रिल काटकर घर में दाखिल हुए और करीब डेढ़ लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठियां, जरूरी कागजात और एलसीडी टीवी समेत लाखों रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। हैरानी की बात यह है कि घटना के वक्त बुजुर्ग घर में ही सो रहे थे, लेकिन ऊंचा सुनने की वजह से उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी। चोरों ने पहले गोदरेज की अलमारी का लॉक तोड़ा और करीब एक लाख रुपये निकाले। इसके बाद उस कमरे में पहुंचे, जहां गृहस्वामी सो रहे थे और वहां से करीब 50 हजार रुपये नकद, सोने की अंगूठियां और जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिए। बदमाश घर के हॉल में लगा एलसीडी टीवी भी खोलकर अपने साथ ले गए। सुबह जब गृहस्वामी की नींद खुली तो हॉल से टीवी गायब और घर का सामान बिखरा मिला। इसके बाद चोरी की जानकारी सामने आई। उन्होंने अपने पुत्र डॉ. राज कुमार उपाध्याय, रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन और पत्रकार, को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अब देखना होगा कि कैमरों में कैद सुराग पुलिस को चोरों तक कब पहुंचाते हैं।

संक्षिप्त डायरी

मसौढ़ी में कारोबारियों ने सिटी एसपी के सामने रखीं समस्याएं, जाम और पुलिस पोस्ट का मुद्दा उठा

पटना (एजेंसी) मसौढ़ी के व्यवसायियों ने सिटी एसपी शैलजा के सामने जाम, बस स्टैंड की कमी और सुरक्षा व्यवस्था जैसी प्रमुख समस्याएं रखीं. एसपी ने समाधान का भरोसा दिया. नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) शैलजा ने शनिवार को मसौढ़ी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया. निरीक्षण से पहले उन्होंने शहर के व्यवसायियों और सामाजिक कार्यकताओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं और पुलिस से अपेक्षाओं की जानकारी ली. बैठक में शहर में लगने वाले जाम, बस स्टैंड की कमी और रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट की आवश्यकता समेत कई मुद्दे उठे. जाम और बस स्टैंड का मुद्दा उठा बैठक में व्यवसायियों ने शहर में आए दिन लगने वाले जाम की समस्या को प्रमुखता से रखा. उन्होंने शहर में बस स्टैंड की व्यवस्था नहीं होने के कारण यातायात पर पड़ने वाले असर की भी जानकारी दी. व्यवसायियों ने गांधी मैदान में आए दिन होने वाली मारपीट और गोलीबारी की घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए वहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की. रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट स्थापित करने की मांग भी रखी गयी. सीसीटीवी की मॉनिटरिंग बढ़ाने की मांग व्यवसायियों ने बताया कि शहर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, लेकिन उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने कैमरों की नियमित निगरानी और पुलिस गश्ती को प्रभावी बनाने की मांग की. दुगार्पूजा को देखते हुए विभिन्न पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग भी की गयी. शहर की तंग गलियों में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग पर भी व्यवसायियों ने जोर दिया. रेलवे गुमटी पर पुलिस पोस्ट का आश्वासन सिटी एसपी शैलजा ने व्यवसायियों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया. उन्होंने मसौढ़ी पुलिस को जल्द स्कूटी उपलब्ध कराने और रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट स्थापित करने को लेकर भी आश्वासन दिया. पुलिस के प्रति किसी प्रकार की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर बैठक में मौजूद व्यवसायियों ने कोई शिकायत नहीं रखी. अभिलेख और लंबित कांडों की समीक्षा बैठक के बाद सिटी एसपी ने मसौढ़ी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने थाना दैनिकी, हाजत, मालखाना, वायरलेस सिस्टम, सीसीटीएनएस, सिरिस्ता और लंबित कांडों के अनुसंधान की समीक्षा की. उन्होंने थाना के अभिलेखों के संधारण और कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-

पटना में मरीन ड्राइव से एलसीटी घाट तक निकली रोड सेफ्टी मैराथन, यातायात नियमों के पालन का दिया गया संदेश

पटना (एजेंसी) बिहार की राजधानी पटना में रविवार की अलसुबह एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब सैकड़ों युवाओं और स्केटिंग खिलाड़ियों ने पहियों की रफ्तार के साथ सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण संदेश दिया। पटना यातायात पुलिस और एनसीसी एलुमनी एसोसिएशन ह्यएनसीसी उड़ानह्ल की संयुक्त पहल पर एक भव्य ह्यरोड सेफ्टी स्केटिंग मैराथनह्ल का सफल आयोजन किया गया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना, सड़क हादसों में कमी लाना और युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर समाज में एक ज़िम्मेदार नागरिक बोध विकसित करना था। सुबह की ताजा हवा के बीच मरीन ड्राइव के गोलंबर से लेकर एलसीटी घाट तक का पूरा मार्ग स्केटिंग बोर्ड्स की खनक और सड़क सुरक्षा के नारों से गूंज उठा। 1. मैराथन का रूट और युवाओं का उत्साह रविवार सुबह ठीक 6:00 बजे मैराथन की

शुरूआत मरीन ड्राइव गोलंबर (गंगा पथ) से हुई। सुबह की किरणें फूटते ही बड़ी संख्या में बच्चे, छात्र, स्केटिंग एथलीट और एनसीसी से जुड़े युवा मरीन ड्राइव पर जुटने लगे थे। स्केटिंग करते हुए प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां (प्लेकॉर्ड्स) और बैनर थाम रखे थे। इन तख्तियों पर ह्यहेलमेट पहनें, जीवन बचाएंह्ल, ह्यगति सीमा का रखें ध्यान, सड़क सुरक्षा में ही है कल्याणह्ल, और ह्ययातायात नियमों का करें पालन, न करें अपनी जान का नुकसानह्ल जैसे प्रभावी संदेश लिखे थे। प्रतिभागियों के चेहरे पर न केवल स्केटिंग का उत्साह था, बल्कि समाज को जागरूक करने का एक विशेष संकल्प भी नजर आ रहा था। मैराथन मार्ग पर मौजूद सुबह की सैर (मॉर्मिंग वॉक) पर निकले आम नागरिकों ने भी तालियां बजाकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया और इस पहल की खुलकर सराहना की। 2. गरिमामय सम्मान समारोह और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति मैराथन को हरी झंडी (फ्लैग ऑफ) दिखाकर रवाना करने से पहले एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बिहार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, यातायात विभाग के पुलिस अफसरों और एनसीसी के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। अधिकारियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के दौर में सड़क दुर्घटनाएं मृत्यु और गंभीर चोटों का एक प्रमुख कारण बनती जा रही हैं। अधिकांश दुर्घटनाएं लापरवाही, बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग और ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने की वजह से होती हैं। ऐसे में स्केटिंग मैराथन जैसे नवाचार अभियान लोगों के सीधे दिल और दिमाग तक असर पहुंचाते हैं। 3. आयोजकों और सहयोगियों का सम्मान इस वृहत कार्यक्रम को धरातल पर उतारने और इसे एक बड़े जनांदोलन का रूप देने में कई सामाजिक, औद्योगिक और खेल संगठनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मान समारोह के दौरान कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग देने वाले प्रमुख व्यक्तित्वों और संस्थाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। औद्योगिक व सामाजिक सहयोगः बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (BIA) के पूर्व अध्यक्ष केपीएस केसरी और अरुण अग्रवाल को उनके निरंतर सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संगठनात्मक मार्गदर्शकः एनसीसी उड़ानह्ल के सलाहकार संजय गोयनका ने युवाओं को अनुशासित जीवन और सड़क पर संयम बरतने की सीख दी। स्केट जोन एकेडमी ने बच्चों को मैराथन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए स्केटिंग करने का विशेष प्रशिक्षण दिया था। 4. सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन पर विशेष जोर कार्यक्रम के दौरान मंच से बोलते हुए अधिकारियों और आयोजकों ने सड़क सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया। यह बात रेखांकित की गई कि सड़क पर अनुशासन केवल पुलिस के चालान काटने या सख्ती करने से स्थापित नहीं हो सकता; इसके लिए प्रत्येक नागरिक को खुद जिम्मेदारी उठानी होगी। प्रमुख जागरूकता संदेशः हेलमेट और सीटबेल्ट की अनिवार्यताः दोपहिया वाहन चालकों के लिए गुणवत्तापूर्ण हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीटबेल्ट केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक साधन हैं। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग न करनाः ध्यान भटकने के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए वाहन चलाते समय फोन पर बात न करने की सख्त सलाह दी गई। पैदल यात्रियों का सम्मानः जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल चलने वालों को प्राथमिकता देना एक सभ्य समाज की पहचान है। 5. युवाओं को बदलाव का वाहक बनाने का प्रयास पटना यातायात पुलिस और ह्यएनसीसी उड़ानह्ल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इस जागरूकता अभियान की रीढ़ बनाना है। जब युवा स्वयं किसी सामाजिक मुद्दे की कमान संभालते हैं, तो उसका प्रभाव समाज पर अधिक व्यापक और दीर्घकालिक होता है।

नवादा के इस बस स्टैंड से पटना के लिए नहीं जाती एक भी सरकारी बस, चारों तरफ कूड़े का अंबार

पटना (एजेंसी)ः नवादा का पुराना सरकारी बस स्टैंड बदहाली से जूझ रहा है. पटना के लिए सरकारी बसें बंद, चारों तरफ कूड़े का अंबार और जलजमाव यात्रियों के लिए बड़ी मुसीबत. नवादा शहर का पुराना सरकारी बस स्टैंड इन दिनों बदहाली का शिकार है. कभी यात्रियों की आवाजाही से गुलजार रहने वाले इस बस स्टैंड से वर्तमान में एक भी सरकारी बस पटना के लिए नहीं जाती है. कभी-कभार सुबह के समय बिहारशरीफ के लिए कुछ बसें मिल जाती हैं. वहीं पावापुरी जाने के लिए यात्रियों को टेम्पो का सहारा लेना पड़ता है. पुराने बस स्टैंड का ध्यान नहींस्थानीय लोगों के अनुसार, सरकारी बसों का संचालन सरकारी स्टैंड से शुरू होने के बाद पुराने बस

स्टैंड के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. लोगों का कहना है कि स्टैंड की सफाई और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था को लेकर न तो प्रशासन गंभीर दिख रहा है और न ही नगर परिषद की ओर से नियमित सफाई हो रही है. कभी यात्रियों से गुलजार रहता था बस स्टैंड पुराने बस स्टैंड पर कभी सुबह से शाम तक यात्रियों की भीड़ रहती थी. बसों के आने-जाने से यहां लगातार चहल-पहल बनी रहती थी. अब बसों का नियमित संचालन बंद होने के कारण स्टैंड सुनसान पड़ा रहता है. यात्रियों की आवाजाही कम होने के साथ परिसर की स्थिति भी लगातार खराब होती जा रही है. चारों तरफ कूड़े-कचरे का अंबार बस स्टैंड के आसपास जगह-जगह कूड़े और कचरे का ढेर लगा हुआ है. स्टैंड परिसर के अंदर भी कचरा जमा है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी लगातार बढ़ती जा रही है. पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश ने परेशानी और बढ़ा दी है. परिसर में जगह-जगह पानी और कीचड़ जमा होने से लोगों का अंदर जाना मुश्किल हो गया है. कचरे और जमा पानी के कारण दुर्गंध भी फैल रही है. बारिश में बढ़ गयी यात्रियों की परेशानी बारिश के बाद स्टैंड परिसर की स्थिति और खराब हो गयी है. कई हिस्सों में कीचड़ और गंदा पानी जमा है. ऐसे में यदि किसी यात्री को बस या अन्य वाहन पकड़ने के लिए परिसर में जाना पड़े तो उसे गंदगी के बीच से गुजरना पड़ता है. रखरखाव नहीं होने से सरकारी संपत्ति हो रही बदहाल स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड का नियमित रखरखाव और सफाई नहीं होने से सरकारी संपत्ति धीरे-धीरे बदहाल होती जा रही है. लोगों ने पुराने बस स्टैंड की नियमित सफाई कराने, जलजमाव दूर करने और यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है.

पटना में बारिश ने तोड़ा इस सीजन का रिकॉर्ड, 24 घंटे में 72.2 एमएम पानी, जानिए कब कमजोर होगा सिस्टम

पटना (एजेंसी) पटना में सीजन की रिकॉर्ड तोड़ 72.2 एमएम बारिश दर्ज की गई, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए. जानिए कब मिलेगी राहत और कहाँ जारी रहेगी बारिश. पटना शहर और आसपास के इलाकों में पिछले 24 घंटे के दौरान इस सीजन की सबसे अधिक 72.2 एमएम बारिश दर्ज की गयी. तेज हवा के साथ बारिश शनिवार को लगातार चौथे दिन जारी रही. इससे शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी रही. लगातार बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे चला गया. पांच-छह सितंबर के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा इससे पहले पांच और छह सितंबर के बीच पटना में 68

एमएम बारिश दर्ज की गयी थी. अब पिछले 24 घंटे में हुई 72.2 एमएम बारिश ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. लगातार बारिश के कारण शहर के मौसम में ठंडक बढ़ गयी है. शनिवार को पटना का अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. अधिकतम तापमान सामान्य से करीब चार डिग्री कम रहा. बारिश की कमी 36 से घटकर 32 फीसदी पिछले 48 घंटे से सक्रिय बादलों और लगातार बारिश का असर शहर की मौसमी बारिश के आंकड़ों पर भी पड़ा है. पटना में बारिश की कमी 36 फीसदी से घटकर 32 फीसदी पर आ गयी है. लगातार बारिश होने से इस कमी में और सुधार की संभावना है. 12 घंटे में कमजोर होगा मौसम सिस्टम मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना मौसम सिस्टम पटना समेत बिहार में बारिश का प्रमुख कारण रहा. यह सिस्टम पूवो ाेर मध्य प्रदेश होते हुए दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के आसार हैं. मौसम विभाग के अनुसार अगले 12 घंटों में यह सिस्टम कमजोर होकर निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल सकता है. इसके बाद बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है. रविवार से पटना में राहत के आसार मौसमविदों के अनुसार रविवार से पटना में मौसम में सुधार के आसार हैं. हालांकि दिन में बादल छाये रह सकते हैं और शहर व आसपास के इलाकों में हल्की बारिश की संभावना बनी रह सकती है. अगले दो दिनों में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल सकता है. उत्तर बिहार में सोमवार तक तेज बारिश रविवार को राज्य के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में तेज हवा चलने की संभावना है.

पटना समेत दक्षिण बिहार में बारिश की गतिविधियां कुछ कम रहने के आसार हैं. वहीं पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, कटिहार और किशनगंज समेत उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में तेज से मध्यम बारिश हो सकती है. उत्तर बिहार के इन इलाकों में बारिश का सिलसिला सोमवार तक जारी रहने की संभावना है. ऐसे में पटना में राहत के संकेत हैं, लेकिन राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर अभी बना रहेगा.

पटना में खराब मौसम से दो फ्लाइट रद्द, 4 डायवर्ट, दो घंटे फंसे रहे शैलेश लोढ़ा

पटना (एजेंसी) पटना में खराब मौसम के चलते 2 उड़ानें रद्द और 4 डायवर्ट कर दी गईं. तेज हवा, बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण यात्रियों को परेशानी हुई. जानें पूरी जानकारी. पटना में शनिवार को खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा. तेज हवा, बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण पटना एयरपोर्ट पर दो विमानों को रद्द करना पड़ा, जबकि चार विमानों को वाराणसी और कोलकाता डायवर्ट किया गया. मौसम में सुधार के बाद डायवर्ट की गयी उड़ानें पटना वापस पहुंचीं. दिल्ली-पटना और पटना-दिल्ली की फ्लाइट रद्द तेज हवा और बारिश के कारण रात 11 बजे दिल्ली से पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2486 को रद्द कर दिया गया. इसके अलावा रात 10.10 बजे पटना से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6046 भी रद्द रही. इससे दोनों रूट पर यात्रा करने

वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा. चार विमानों को वाराणसी और कोलकाता किया गया डायवर्ट खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण शनिवार को चार विमानों को पटना एयरपोर्ट पर उतरने के बजाय दूसरे एयरपोर्ट की ओर भेजना पड़ा. इनमें दो विमानों को वाराणसी और दो को कोलकाता डायवर्ट किया गया. मौसम में सुधार होने के बाद सभी विमान पटना लौट आये. मुंबई-पटना फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट, शैलेश लोढ़ा भी विमान में थे एयर इंडिया की मुंबई से पटना आने वाली फ्लाइट को दोपहर में कम विजिबिलिटी के कारण वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया. इस विमान में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम अभिनेता शैलेश लोढ़ा भी पटना आ रहे थे. वाराणसी एयरपोर्ट पर उन्हें करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा. मौसम में सुधार के बाद विमान पटना के लिए रवाना हुआ और करीब दो घंटे की देरी से पटना पहुंचा.

पटना में गैरेज संचालक को गोलियों से भूना, बाइक से फरार हुए बदमाश

पटना (एजेंसी) पटना के रामकृष्णानगर में बदमाशों ने वर्कशॉप संचालक अंजनी नंदन को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. पुलिस सीसीटीवी खंगाल कर बदमाशों की पहचान में जुटी है. : पटना के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के भूपतिपुर इलाके में शनिवार की देर रात बदमाशों ने नंदन ऑटोमोबाइल्स वर्कशॉप के संचालक अंजनी नंदन को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया. वर्कशॉप के समीप ही पहले से घात लगाये बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की. इस दौरान तीन गोलियां लगने से अंजनी नंदन खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े. घटना के बाद बदमाश बाइक से फरार हो गये. काम खत्म कर घर निकल रहे थे अंजनी नंदन बताया जाता है कि अंजनी नंदन शनिवार की देर रात अपने वर्कशॉप में काम खत्म करने के बाद घर जाने के लिए निकले थे. इसी दौरान पहले से घात लगाये बदमाशों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी. तीन गोलियां लगने के

बाद वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े. इसके बाद बदमाश उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गये. घटनास्थल से तीन खोखे बरामद गोलीबारी की सूचना मिलते ही रामकृष्णानगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल अंजनी नंदन को कंकड़बाग स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया. घटनास्थल से तीन खोखे भी बरामद किये गये हैं. घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गयी. अंजनी नंदन के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे. सीसीटीवी और मोबाइल खंगाल रही पुलिस पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है. साथ ही परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों और बदमाशों के बारे में जानकारी जुटायी जा रही है.

बिहार में कल से 30 सितंबर तक बैंक हड़ताल, आज संडे को भी खुली हैं शाखाएं, निपटा लें सारे जरूरी काम

पटना (एजेंसी) बिहार में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल 28-30 सितंबर तक रहेगी, जिससे बैंकिंग सेवाएं बाधित होंगी. 27 सितंबर को बैंक विशेष रूप से खुले रहेंगे. अपने जरूरी काम आज ही पूरे कर लें. पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती और रिक्त पदों को भरने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारी और अधिकारी 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर होने वाली इस हड़ताल में बिहार के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे.

हड़ताल के कारण शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है. 27 सितंबर रविवार को खुले रहेंगे सरकारी और ग्रामीण बैंक हड़ताल से पहले 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार का अवकाश है. लगातार कई दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की स्थिति को देखते हुए 27 सितंबर रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से खुले रखने का निर्णय लिया गया है. दिवसीय हड़ताल के बीच 27 सितंबर को विशेष रूप से बैंक खोले जा रहे हैं. हड़ताल के दौरान शाखा स्तर की सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है. हालांकि डिजिटल बैंकिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं की उपलब्धता संबंधित बैंक की व्यवस्था पर निर्भर करेगी. पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह समेत कई मांगें बैंक यूनियनों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, सभी रिक्त पदों को भरना और बढ़ते कार्यभार के अनुरूप मैनपावर उपलब्ध कराना शामिल है. ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरेश विक्रमादित्य के अनुसार कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए पीएलआइ में समान व्यवस्था, लंबित पेंशन अपडेशन और सभी पेंशनरों के लिए समान डीए फामूर्ला लागू करने की मांग भी उठायी गयी है. पर्याप्त भर्ती से कम होगा कर्मचारियों का कार्यभार बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लॉइज यूनियन के बिहार महासचिव प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि पर्याप्त भर्ती होने से कर्मचारियों का कार्यभार कम होगा और ग्राहकों को बेहतर सेवा मिल सकेगी

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के` विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

महिंद्रा एसयूवी फिर हो सकती है महंगी

- जिंसों की कीमतों में उछाल के कारण अगले दो सप्ताह में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने एसयूवी ग्राहकों को एक बार फिर झटका दे सकती है। कंपनी ने जिंसों की बढ़ती लागत के मद्देनजर अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की कीमतों में एक और वृद्धि करने का संकेत दिया है। अगले दो सप्ताह में इस पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। महिंद्रा ऑटोमोटिव के एक अे धिकारी ने बताया कि इस साल कंपनी पहले ही जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में लगभग 2.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। हालांकि पिछली बढ़ोतरीयों का ग्राहकों की पूछताछ या बुकिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, क्योंकि वाहन अभी भी जीएसटी कटौती से पहले की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। त्योहारी सीजन में भी बेहतर मांग की उम्मीद है। कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में 60,000 पारंपरिक और 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन प्रति माह की क्षमता है, जिसे मार्च-अप्रैल तक बढ़ाकर क्रमशः 70,000 और 12,000 यूनिट किया जाएगा। अे धिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों पर है और अगले छह महीनों में कई अपडेटेड और दो नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे।

फुजियामा मप्र के रतलाम में 1.2 गीगावाट सौर सेल संयंत्र लगाएगी

कंपनी 350-400 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट क्षमता का एक अत्याधुनिक सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। लगभग 350 से 400 करोड़ रुपये के निवेश से बन रहा यह संयंत्र कंपनी की 2030 तक एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने की महत्वाकांक्षी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फुजियामा पावर सिस्टम्स के एक अे धिकारी ने बताया कि प्रस्तावित नई परियोजना में उन्नत टॉपकॉन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक पीईआरसी तकनीक की तुलना में अधिक कुशल है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यहां सौर सेल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, फुजियामा की कुल सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 2.3 गीगावाट हो जाएगी। वर्तमान में कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी में 1.1 गीगावाट क्षमता का सेल संयंत्र संचालित करती है। कंपनी की 2030 की रूपरेखा में आगे चलकर इंगट और वेफर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना भी शामिल है। इसका उद्देश्य सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की लागत कम करना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। फुजियामा की कुल सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 3.6 गीगीवाट है। यह विस्तार सरकार की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची पहल के अनुरूप भी है, जो घरेलू विनिर्माण और उपकरणों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

व्यवस्था 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है। इस कारण यह सीवीसी, कैग और आरटीआई के दायरे में नहीं आती, और इसके कार्यकारियों को अन्य पीएसयू की तुलना में अधिक वेतन तथा 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु मिलती है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन

- 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ

नई दिल्ली देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है। सामान्य एटीएम नियमों में मिली छूट सामान्य तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार मुफ्त ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। वहीं, दूसरे बैंक के एटीएम से बड़े शहरों में 3 बार और अन्य जगहों पर 5 बार तक मुफ्त निकासी की सुविधा होती है। इस सीमा से अधिक बार एटीएम इस्तेमाल करने पर बैंक अतिरिक्त शुल्क वसूलते हैं।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वही डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

सरसों में सुधार जारी, मूंगफली-सोयाबीन-पाम समेत अधिकांश तेलों की कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली

आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमशः 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आयुष सेवा क्षेत्र 2047 तक 318 अरब डॉलर पहुंचने की संभावनाः रिपोर्ट

वित्त वर्ष 25 में 37 अरब डॉलर योगदान का अनुमान

नई दिल्ली ।

आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शुमार हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में इसका आर्थिक योगदान लगभग 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2047 तक 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से करीब 17.6 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है, जो इसकी बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) की अध्ययन रिपोर्ट, जो नागपुर में 11वें आयुर्वेद दिवस पर जारी की गई, बताती है कि वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से आयुष क्षेत्र सालाना 16.91 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुष अब केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, वेलनेस, रोजगार और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) से भी लगभग 1.77 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया गया। आरआईएस के एक अे धिकारी ने बताया कि यह अध्ययन सभी छह आयुष प्रणालियों से जुड़े 15,914 प्रतिष्ठानों के सर्वेक्षण पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और ज्ञान-आधारित सेवा क्षेत्र बन चुका है। आयुष की विभिन्न

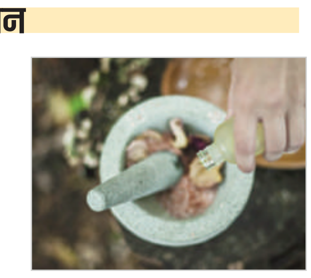

प्रणालियों में, आयुर्वेद सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसने 2024-25 में कुल आयुष राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयुष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स पीवी को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी जल्द 15 प्रतिशत के पार पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है, जो उसकी आक्रामक विस्तार योजना का हिस्सा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यात्री वाहन कारोबार पिछले एक साल में करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर अंत तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। अे धिकारी के अनुसार कंपनी दोहरे अंक में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ और शून्य-उत्सर्जन वाले पावरट्रेन में अग्रणी बनने पर केंद्रित है। 20 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी नए वाहन खंडों में प्रवेश करेगी, मौजूदा उत्पादों में तेजी से बदलाव करेगी और ग्राहकों के लिए नए विकल्प पेश करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स बदलते आय वर्ग और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद पेश करने पर जोर देगी, विशेषकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे तेजी से बढ़ते पावरट्रेन सेगमेंट में। कंपनी भविष्य में बहु-उद्देश्यीय वाहन और कुछ नए लाइफस्टाइल एसयूवी खंडों में भी प्रवेश कर सकती है।

एसबीआई का लक्ष्य 2030 तक 200 लाख करोड़ का कारोबार

डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज विजन, ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बैंक की वृद्धि यात्रा का मूल मंत्र डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज बताते हुए कहा कि बैंक का लक्ष्य 2030 तक अपना कुल कारोबार दोगुना कर 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ ग्राहकों के हितों की रक्षा और देश की अर्थव्यवस्था में भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में, बैंक ने पूंजी आधार मजबूत करने, वित्तीय क्षेत्र में अपनी भूमिका गहरी करने और डिजिटल-ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में पूंजी जुटाना, एसबीआई म्यूचुअल फंड की सूचीबद्धता और यस बैंक मामले में रणनीतिक भूमिका को गिनाया। उन्होंने कहा कि एसबीआई के लिए डिजिटल बदलाव केवल प्रौद्योगिकी अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल जागरूकता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि बैंकिंग को लेन-देन से परे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होना चाहिए। एसबीआई पिछले सात दशकों से देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समर्थन दे रहा है और पारंपरिक संबंध-आधारित बैंकिंग को डिजिटल नवोन्मेषण से जोड़कर यह यात्रा जारी रखेगा। शेट्टी ने अनुमान जताया कि 2030 तक बैंक का कुल कारोबार 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि जून 2026 के अंत तक यह 110.01 लाख करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, बैंक ने अपनी प्लैटिनम जुबली के लिए कोई औपचारिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

कार्स24 भारत में आईपीओ की तैयारी में, रिवर्स फ्लिप होगा निर्णायक कदम

सिंगापुर से भारतीय पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक दाखिल होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली ।

पुरानी कारों की ऑनलाइन बिक्री का अग्रणी मंच कार्स24, भारतीय शेयर बाजार में अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की दिशा में अग्रसर है। कंपनी अपनी मुख्य कॉरपोरेट संरचना को सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया रिवर्स फ्लिप पूरी होने के बाद अगले साल अप्रैल तक आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की पात्र हो सकती है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, कार्स24 को सिंगापुर से 'रिवर्स फ्लिप' के लिए मंजूरी मिल चुकी है और अब भारत में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब छह से नौ महीने लगने का अनुमान है, जिससे यह अगले साल अप्रैल तक पूरी हो सकती है। इसके बाद कंपनी भारत में आईपीओ दस्तावेज दाखिल करेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी, कीमत निर्धारण और बुक-बिल्डिंग जैसी प्रक्रियाओं में तीन से चार महीने और लग सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीओ का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल नकदी जुटाना नहीं है, क्योंकि कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी है (पिछला मूल्यांकन 2022 में 3.3 अरब डॉलर था)। मुख्य लक्ष्य भारत में छोटे शहरों तक पहुंच बढ़ाकर 25 से 200 शहरों तक विस्तार करना और कारोबार को 50,000 कारों तक बढ़ाना है।

साथ ही, यह खाड़ी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए पूंजी तैयार करेगा। आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करने तथा कंपनी के संचालन को वैध ठहराने का भी एक माध्यम होगा।

अमेजन-फ्लिपकार्ट-जियोमार्ट को लगा झटका, हर्बीसाइड बेचने पर 10-10 लाख का जुर्माना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की कार्रवाई

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बड़ी कार्रवाई कर दी है। इन तीनों प्लेटफॉर्म को बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड को बेचने और विज्ञापित करने के आरोप में भारी जुर्माना ठोका गया है। अमेजन और फिलपकार्ट पर 10-10 लाख, जबकि जियोमार्ट पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारों के बीच हड़कंप मचा है। सीसीपीए के आदेश रिकॉर्ड के मुताबिक, अमेजन पर 16 सितंबर 2026 को, जबकि फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर 22 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया है।सीसीपीए ने यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नाम के उत्पाद की बिक्री कर रहे थे, जिसमें सक्रिय रासायनिक तत्व और उसकी सामग्री की विस्तृत जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को सूचित किया कि साइक्लोसिनोन नामक कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इस स्थिति ने इस रसायन के विपणन और बिक्री के लिए आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। पूरे मामले की शुरुआत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राप्त शिकायत से हुई थी, जो क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आई थी। जांच में साफ हुआ कि कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग के लिए देश में सख्त कानूनी नियम हैं, जिनका इन ऑनलाइन लिस्टिंग में पालन नहीं हुआ। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड की ऑनलाइन लिस्टिंग में अनिवार्य जानकारी का अभाव था, जो उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक मानदंडों का उल्लंघन है।सीसीपीए के आदेश में विशेष रूप से अमेजन के डेटा का उल्लेख किया है, जिसके अनुसार प्लेटफॉर्म पर अब तक साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड के 38,410 ऑर्डर हुए थे और कुल 43,634 इकाइयाँ बेची गईं, जिनकी कुल बिक्री कीमत 96.42 लाख रुपये थी।

इस सप्ताह 7 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स-डिविडेंड, शेयरधारकों को तगड़ा लाभांश

आर सिस्टम्स इंटरनेशनल 8 रुपए प्रति शेयर के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए इस सप्ताह एक अच्छी खबर है, क्योंकि कुल सात कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों के शेयर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे, जिसका अर्थ है कि इन तारीखों के बाद शेयर खरीदने वालों को घोषित लाभांश का लाभ नहीं मिलेगा। यह लाभांश शेयरधारकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनेगा। इन कंपनियों में स्टील, गैस, आईटी सर्विसेज, टेक्सटाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। प्रति शेयर डिविडेंड के लिहाज से आर सिस्टम्स इंटरनेशनल सबसे आगे है, जो 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। आगामी सप्ताह की शुरुआत 29 सितंबर को लियो ड्रायफ्रूट्स ऐंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के साथ होगी। इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को एक्स-डिविडेंड होंगे। कंपनी ने 0.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की है, और इसकी रिकॉर्ड डेट भी 29 सितंबर तय की गई है। शनिवार, 30 सितंबर को दो कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) शामिल है, जो अपने शेयरधारकों को 2.35 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी। सेल की रिकॉर्ड डेट भी 30 सितंबर है। इसी दिन सरस्वती साड़ी डिपो लिमिटेड के शेयर भी एक्स-डिविडेंड होंगे। इस कंपनी ने 3 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 30 सितंबर निर्धारित है। अगले सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन 1 अक्टूबर होगा, क्योंकि इस दिन चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड और सैनिक फाइनेंस ऐंड इंडस्ट्रीस लिमिटेड शामिल हैं। गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस 0.50 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी, हालांकि इसकी रिकॉर्ड डेट 2 अक्टूबर है।

ऑड्रे हाउस में सम्मान समारोह, पर्यटक मित्रों समेत पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सहयोगियों को सम्मान

बिभा संवाददाता

रांचीः विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को रांची के ऐतिहासिक ऑड्रे हाउस में कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें झारखंड के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े पर्यटक मित्रों, होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई.

इस कार्यक्रम में पर्यटन, कला-संस्कृति एवं खेलकूद विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को स्थानीय जानकारी, सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में पर्यटक मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों पर आने वाले लोगों को बेहतर अनुभव देने में होटल और आतिथ्य क्षेत्र भी अहम भूमिका निभाता है.

उन्होंने कहा कि पर्यटन से जुड़े अन्य लोग और संस्थाएं भी झारखंड के पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया तक पहुंचाने में योगदान दे रहे हैं. डिजिटल प्लेटफॉर्म और रचनात्मक सामग्री के माध्यम से राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, पर्यटन स्थलों और यहां मिलने वाले अलग-अलग अनुभवों को नए दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है.

समारोह में पर्यटन के क्षेत्र में योगदान देने वाले पर्यटक मित्रों और अन्य सहयोगियों को सम्मानित किया गया. इस दौरान कहा गया कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं. स्थानीय स्तर पर पर्यटकों से सीधे जुड़ने वाले लोगों, होटल संचालकों, आतिथ्य क्षेत्र और डिजिटल माध्यम से प्रचार-प्रसार करने वालों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है.

पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की संभावनाओं को व्यापक पहचान दिलाने के प्रयासों को रेखांकित करता है. उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग स्थानीय समुदायों, पर्यटक मित्रों, होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर राज्य में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है. कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक प्रेम रंजन सहित पर्यटन विभाग के अन्य पदाधिकारी और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे.

एसबीयू में भौतिकी की त्रिभाषीय शब्दावली निर्माण बैठक संपन्न

मातृभाषा में विज्ञान की समझ को मिलेगी गति: प्रो. गोपाल पाठक

बिभा संवाददाता

रांचीः सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित भौतिकी की त्रिभाषीय शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी-संथाली) निर्माण की पांच दिवसीय राष्ट्रीय बैठक का विधिवत समापन हुआ। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अधीन 'वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग' के प्रायोजन में इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें भौतिकी और भाषा विज्ञान के विशेषज्ञों व अनुवादकों ने भाग लिया।

इस पांच दिवसीय बैठक का मुख्य उद्देश्य भौतिकी से जुड़े जटिल वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों का अंग्रेजी, हिंदी तथा संथाली भाषाओं में मानकीकृत शब्दावली तैयार करना था, ताकि भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक अध्ययन को और अधिक सुलभ तथा व्यापक बनाया जा सके। बैठक में संथाली भाषा एवं अनुवाद विशेषज्ञ ठाकुर प्रसाद मुर्मू, डॉ. शर्मिला सोरेन, विलियम हांसदा, मीनाक्षी जी. मुर्मू, विन्सेंट मरांडी और डॉ. आशा कुमारी सहित कई विषय विशेषज्ञों ने तकनीकी शब्दावली के मानकीकरण और भाषाई उपयुक्तता पर गहन विचार-विमर्श किया।

विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने कहा कि भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक शब्दावली का विकास एक ऐतिहासिक कदम है। इससे विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में विज्ञान जैसे जटिल विषय को आसानी से समझने में मदद मिलेगी और उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं का विस्तार होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने कहा कि तकनीकी ज्ञान को स्थानीय व क्षेत्रीय भाषाओं से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह त्रिभाषीय शब्दावली शोध और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के सहायक निदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने आयोग द्वारा भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की जानकारी दी और कहा कि इस पहल से उच्च शिक्षा अधिक समावेशी बनेगी।

इस सफल आयोजन में प्रो. वी. के. सिंह और डॉ. नित्या गर्ग का विशेष योगदान रहा। वहीं, विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान तथा राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस शैक्षणिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता ही सेवा अभियान के 11वें दिन स्टेशनों पर चला सफाई अभियान

धनबाद(बिभा) : स्वच्छता ही सेवा अभियान के 11वें दिन धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं यात्री जागरूकता से जुड़ी व्यापक गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान का उद्देश्य रेल परिसरों में स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाने के साथ-साथ यात्रियों एवं आमजन में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना को और मजबूत करना है। अभियान के तहत हेरिटेज स्टेशन नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमोह में विशेष स्वच्छता सह जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म एवं रेल पटरियों के आसपास गहन सफाई की गई। साथ ही, स्टेशन पर उद्घोषणाओं के माध्यम से यात्रियों को सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालने के लिए प्रेरित किया गया। धनबाद मंडल के पर्यटन महत्व वाले प्रमुख स्टेशनों पारसनाथ एवं बड़वाडीह में भी विशेष स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। यात्रियों, पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए रेलवे परिसरों तथा आसपास के पर्यटन क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया गया। यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए धनबाद मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर जल सैंपलिंग एवं टेस्टिंग का विशेष अभियान चलाया गया। स्टेशन परिसरों एवं यात्री पेयजल बूथों से पानी के नमूने एकत्र कर उनकी गुणवत्ता की जांच की गई। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने तथा पेयजल व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना है। धनबाद मंडल द्वारा ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के माध्यम से स्वच्छ रेल परिसर, स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर यात्री अनुभव के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पिठोरिया के हॉस्टल में 11 वर्षीय छात्र से यौन उत्पीड़न का आरोप, नाबालिग गिरफ्तार

रांची(बिभा) : पिठोरिया थाना क्षेत्र के चंदवे स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल के हॉस्टल में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले 11 वर्षीय छात्र के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप उसी स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 16 वर्षीय छात्र पर लगा है। घटना के बाद पीड़ित छात्र के परिजनों ने पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट की धारा 6/21 के तहत कांड संख्या 98/26 दर्ज करते हुए नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित छात्र के पिता ने बताया है कि 21 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे हॉस्टल में उनके बेटे के साथ कथित तौर पर घटना हुई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, घटना के बाद स्कूल और हॉस्टल प्रबंधन की भूमिका भी जांच के दायरे में है। आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने के बावजूद प्रबंधन ने पीड़ित के परिजनों और पुलिस को समय पर सूचना नहीं दी। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि घटना की जानकारी प्रबंधन को कब मिली और उसके बाद क्या कार्रवाई की गई।

ट्रैफिक पुलिस की सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान आज से

रांची(बिभा)। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए रांची ट्रैफिक पुलिस 28 सितंबर से ०4 अक्टूबर तक सात दिवसीय सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान चलाएगी। अभियान की थीम ह्यसुरक्षित सफर, सुरक्षित कलह्न रखी गई है। रांची ट्रैफिक पुलिस अभियान के दौरान सात दिनों तक वाहन चालकों और आम लोगों को अलग-अलग सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करेगी। अभियान के पहले दिन 28 सितंबर को हेलमेट पहनें, जीवन बचाएं का संदेश दिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस लोगों से हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाने और आईएसआई मार्क वाले हेलमेट का इस्तेमाल करने की अपील करेगी। साथ ही हेलमेट को सही तरीके से पहनने और पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट की जरूरत पर जोर दिया जाएगा। 29 सितंबर को सीट बेल्ट लगाएं, सुरक्षित रहें अभियान चलाया जाएगा। कार चालकों और यात्रियों को सीट बेल्ट के इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया जाएगा। 30 सितंबर को मोबाइल नहीं, ड्राइविंग के दौरान अभियान के तहत वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की जाएगी। वहीं 01 अक्टूबर को तेज रफ्तार जीवन पर भारी संदेश के साथ ओवरस्पीडिंग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलेगा। 02 अक्टूबर को लाल बत्ती का सम्मान करते हुए ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और रेड लाइट जंप नहीं करने का संदेश दिया जाएगा। 03 अक्टूबर को पैदल यात्रियों का सम्मान करें अभियान के तहत सड़क पार करते समय सावधानी बरतने और पैदल यात्रियों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। अभियान के अंतिम दिन 04 अक्टूबर को शराब पीकर वाहन नहीं चलाएं का संदेश दिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस लोगों से नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील करेगी।

पंचपरगनिया भाषा प्रेमियों का भादर मिलन समारोह- 2026 सम्पन्न

हर गांव में अखड़ा बनने से ही बचेगी संस्कृतिः डॉ. करमचंद्र अहीर

बिभा संवाददाता

बुंडूः सूर्य मंदिर बुंडू परिसर में 'पंचपरगनिया भाषा प्रेमी' के तत्वावधान में रविवार को 5वां भादर मिलन समारोह-2026 अत्यंत धूमधाम एवं गरिमामयी वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना और राजकिशोर स्वांसी, बुटन देवी, सोमबारी देवी, डॉ. तारकेश्वर सिंह मुंडा तथा पुरेंद्र नाथ अहीर द्वारा प्रस्तुत वंदना गीत के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता शिक्षक डॉ. गोविन्द महतो ने की।

मुख्य अतिथि सह पंचपरगनिया भाषा विकास केन्द्रीय समिति के सचिव डॉ. करमचंद्र अहीर ने युवाओं से अपनी समृद्ध संस्कृति से जुड़ने का पुरजोर आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाषा और लोक-संस्कृति को जीवंत रखने के लिए पांच परगना क्षेत्र के प्रत्येक गांव में पारंपरिक 'अखड़ा' का निर्माण होना चाहिए, तभी हमारी विलुप्त होती कला व परंपराओं का वास्तविक संरक्षण संभव होगा।

रांची विश्वविद्यालय के पंचपरगनिया/कुरमाली विभागाध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर सिंह मुंडा ने कहा कि पांच परगना की पहचान कला और संस्कृति से है। ऐसे सांस्कृतिक मंच नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। पीपीके कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर कृष्ण सिंह मुंडा ने कहा कि पंचपरगनिया भाषा के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है, वहीं मुंडारी विभागाध्यक्ष डॉ. लखींद्र मुंडा ने प्रेरक लोकगीत प्रस्तुत कर संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।

समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए रांची विश्वविद्यालय की किशोरी कुमारी तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के राकेश स्वांसी और खुशबू रानी को स्नातकोत्तर (पीजी) टॉपर के रूप में विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह में डीएसपीएमयू, पीपीके कॉलेज बुंडू, डोरंडा कॉलेज, सिल्ली कॉलेज, महिला महाविद्यालय रांची, उच्च विद्यालय बुढ़ाडीह, तड़ाई और सारजमडीह के छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों व वाद्य यंत्रों की थाप पर मनमोहक गीत-नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बुटन देवी, सोमबारी देवी, लखीचरण सिंह मुंडा, जगजीवन लोहरा, संजोती देवी, डॉ. दीनबंधु महतो, डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, प्रो. भूतनाथ प्रमाणिक, गोरेन्द्र नाथ गोंझू, विद्यासागर यादव, राम दुर्लभ सिंह मुंडा, राजकुमार बिंझिया, मोहन स्वांसी, अजय मुंडा और गुरुवा लोहरा सहित बड़ी संख्या में भाषा प्रेमी उपस्थित रहे।

मंच संचालन डॉ. गोविंद महतो व सुदर्शन अहीर ने संयुक्त रूप से किया। अंत में सुरेश चंद्र महतो ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा सामूहिक लोकगीत के साथ समारोह का समापन हुआ।

मारवाड़ी भवन में भक्तिभाव से संपन्न हुआ श्री जीण माता जी का मंगल पाठ

रांची(बिभा): श्री जीण माता प्रचार समिति, रांची के तत्वावधान में रविवार को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन के प्रथम तल पर आदिशक्ति श्री जीण माता जी के भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ शाम 4:00 बजे विधिवत माता की पावन अखंड ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिला श्रद्धालुओं द्वारा मंगल पाठ का सामूहिक वाचन शुरू हुआ। मुख्य पाठ वाचन नूतन शर्मा एवं उनकी सहयोगी टीम द्वारा सुमधुर भजनों और स्तुति के साथ प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा परिसर माता के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम को सुचारू और सफल बनाने में समिति के ओम प्रकाश अग्रवाल, विजय पालड़ीवाल, नारायण विजयवर्गीय, बजरंग सोमानी, प्रदीप शर्मा, संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्यों व मातृशक्ति ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रांची रेलवे स्टेशन से अपहृत चार वर्षीय बच्चा साहिबगंज से सकुशल बरामद, पांच आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर से चार वर्षीय बच्चे के अपहरण मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपहृत बच्चे को साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ से सकुशल बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर की सुबह बच्चा रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर था। इसी दौरान उसकी मां के पास नहीं होने का फायदा उठाकर कुछ अज्ञात लोग उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की। विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय गुप्तचर तंत्र के माध्यम से आरोपितों के संबंध में लगातार जानकारी जुटाई। जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुराग के आधार पर एक आरोपित को धनबाद पुलिस के सहयोग से धनबाद रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया और फिर उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने साहिबगंज पुलिस के सहयोग से साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ में छापेमारी की। यहां से चार अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया और बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बच्चे को उसके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस अब अपहरण के पूरे नेटवर्क और घटना के कारणों की जांच कर रही है। मामले में धनबाद, जामताड़ा और साहिबगंज पुलिस के अलावा संथाल परगना के पुलिस महानिरीक्षक का भी विशेष सहयोग रहा। रांची पुलिस ने अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के प्रति आभार जताया है।

विश्व पर्यटन दिवस पर जोन्हा फॉल में चला 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान, पौधारोपण कर लोगों ने ली स्वच्छता की शपथ

बिभा संवाददाता

रांची : स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यटन दिवस पर र प्रसिद्ध जोन्हा जलप्रपात पर्यटन स्थल पर विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान रांची ईस्ट डिवीजन, रांची वेस्ट डिवीजन एवं निदेशालय, एसबीएमजी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में अभियान निदेशक रंजीता हेम्ब्रम के नेतृत्व में आयोजित हुआ।अभियान के दौरान जलप्रपात परिसर की साफ-सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। ३एक पेड़ मां के नाम३ के तहत पौधारोपण, स्वच्छता शपथ, सेल्फी प्वाइंट और हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा दिया गया। श्रीमती रंजीता हेम्ब्रम ने कहा कि स्वच्छ पर्यटन स्थलों के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी जरूरी है। स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव-सह-संयुक्त निदेशक शशेन्द्र कुमार बड़ाईक, कार्यपालक अभियंता राजेश रंजन, आनंद कुमार सहित राज्य एवं जिला समन्वयक, अभियंता, पंचायती राज प्रतिनिधि, जल सहिया, स्वच्छाग्रही एवं अन्य कर्मी शामिल हुए।

राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित डॉ. मयंक मुरारी की पुस्तक जीवन में अर्थ की खोज का लोकार्पण

जितना स्वाभाविक रहेंगे, उतना सत्य के साथ रहेंगे : डॉ. अरुण प्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। मानव मंदिर मिशन एवं राजकमल प्रकाशन समूह की ओर से लेखक एवं चिंतक डॉ. मयंक मुरारी की पुस्तक जीवन में अर्थ की खोज का लोकार्पण रविवार को नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े वक्ताओं ने आधुनिक जीवन में अर्थ, उद्देश्य, चरित्र निर्माण और नई पीढ़ी की चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए।

मानव मंदिर मिशन के महासचिव और दार्शनिक डॉ. अरुण प्रकाश ने कहा कि जीवन और शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार हासिल करना नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात पर विचार करने की है कि मनुष्य अपने जीवन और अपने होने के अर्थ को किस तरह समझता है। उन्होंने कहा, जितना स्वाभाविक रहेंगे, उतना सत्य के साथ रहेंगे। उनके अनुसार, मनुष्य का स्वरूप केवल उसकी बाहरी उपलब्धियों से निर्धारित नहीं होता। भारतीय चिंतन परंपरा में मनुष्य के व्यापक स्वरूप और उसके मूल प्रश्नों पर विचार की लंबी परंपरा रही है।

मुख्य अतिथि डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने शिक्षा की वर्तमान दिशा पर कहा कि शिक्षा में अक्सर क्या और कैसे पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि क्यों का प्रश्न पीछे छूट जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि जिज्ञासा और समझ विकसित करना भी है। व्यक्ति अपने कार्य से संतोष प्राप्त करने के साथ दूसरों की खुशी और सफलता में योगदान देकर भी जीवन को सार्थक बना सकता है।

पुरुषोत्तम प्रतीक ने कहा कि जीवन का लक्ष्य केवल उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि चरित्र का विकास करना भी है। मनुष्य को कर्म करते हुए लगातार बेहतर बनने का प्रयास करना चाहिए। व्यक्ति के कर्म ही अंततः उसके जीवन की पहचान बनते हैं।

सीमा त्यागी ने कहा कि जीवन में अर्थ की खोज डॉ. मयंक मुरारी की रचनात्मक यात्रा के साथ समाज और आधुनिक जीवन से जुड़े प्रश्नों को भी सामने लाती है। नई पीढ़ी के लिए चुनौती यह है कि वह समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपने जीवन के मूल प्रश्नों से भी जुड़ी रहे। उन्होंने बताया कि पुस्तक को सात खंडों में विभाजित किया गया है, जिनमें जीवन के विभिन्न आयामों पर विचार किया गया है।

कार्यक्रम के आरंभ में राजकमल प्रकाशन के निदेशक अमोघ महेश्वरी ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने पुस्तक को समकालीन जीवन में मनुष्य के सामने उपस्थित बुनियादी प्रश्नों पर संवाद की एक पहल बताया।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक जीवन में सुविधाओं और उपलब्धियों का विस्तार हुआ है, लेकिन जीवन के उद्देश्य पर ठहरकर विचार करने का अवसर कम हुआ है। ऐसे समय में जीवन में अर्थ की खोज व्यक्ति को अपने भीतर लौटकर यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करती है कि वह जो कर रहा है, आखिर क्यों कर रहा है।

डॉ. मयंक मुरारी की पुस्तक जीवन को केवल सफलता की यात्रा के बजाय अर्थ, आत्मबोध, संबंधों, कर्म और सामाजिक उत्तरदायित्व की यात्रा के रूप में देखने का आग्रह करती है।

सिगरेट एजेंसी में 20 लाख से अधिक के सिगरेट ले उड़े चोर

रांची : कोतवाली थाना क्षेत्र के अपर बाजार स्थित सिगरेट एजेंसी में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर पांच से अधिक ताले तोड़कर एजेंसी में दाखिल हुए और 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के सिगरेट के कार्टन व नकदी लेकर फरार हो गए। एजेंसी मालिक विनायक कुमार के अनुसार, चोरों ने पहले कई ताले तोड़े और फिर अंदर रखे सिगरेट के कार्टन व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। प्रारंभिक स्टॉक मिलान में चोरी गए सिगरेट की कीमत 20 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। कुल नुकसान का आकलन स्टॉक और नकदी के मिलान के बाद होगा। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। फुटेज में दो चोर चेहरे ढके नजर आ रहे हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी में जुटी है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक : कविता साहू(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com